राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार 25अक्टूबर2020 वर्ष-3, अंक -269 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वायरस को जलाकर खाक करने वाला मास्क आ गया, खासियत जान तुरंत खरीदना चाहेंगे

नई दिल्ली। जरा सोचिए, आपके हाथ कोई ऐसा मास्क लग जाए, जो सार्स-कोव-2 वायरस यानी कोरोना वायरस से बचाव के बजाय उसके खात्मे में सक्षम हो तो जिंदगी कितनी आसान बन जाएगी। सुनने में यह बात भले ही किसी विज्ञान-फंतासी फिल्म के दृश्य सरीखी लगे, पर मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के शोधकर्ताओं ने इसे हकीकत में तब्दील कर दिखाया है। उन्होंने तांबे की जाली से लैस एक ऐसा मास्क बनाया है, जो नाक-मुंह से निकलने वाली पानी की सूक्ष्म बूंदों (एयरोसोल) में मौजूद कोरोना वायरस के अंश को जलाकर खाक कर देगा। दरअसल, बैटरी से संचालित इस मास्क की जाली 194 डिग्री फारनहाइट (करीब 90 डिग्री सेल्सियस) पर तपती रहती है, जो वायरस के खात्मे के लिए उपयुक्त है। निर्माताओं ने इसे ऊष्मारोधी 'नियोप्रीन' से तैयार विशेष फैब्रिक में कैद किया है, ताकि धारक की त्वचा न जले। मास्क से जुड़ा शोधपत्र 'बायोरेक्सिव रिपोजिटरी जर्नल' के हालिया अंक में प्रकाशित किया गया है।

धोने-सुखाने का झंझट नहीं-शोध दल से जुड़े सैमुअल फॉशर के मुताबिक तांबे की परत वाला मास्क संक्रमणरोधी गुणों से लैस होगा। इस्तेमाल के बाद इसे फेंकने, धोने या धूप में सुखाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एमआईटी ने बड़े पैमाने पर प्रोटोटाइप बनाना शुरू कर दिया है, ताकि इसकी उपयोगिता आंकना मुमकिन हो।

पर कीमत एन-95 से ज्यादा-फॉशर ने बताया कि तांबे की तपती परत वाला मास्क कपड़े के मास्क, सर्जिकल मास्क और एन-95 रेस्पिरेटर से ज्यादा महंगा होगा। हालांकि, संक्रमण के लिहाज से अधिक संवेदनशील जगहों, मसलन अस्पताल या सार्वजनिक परिवहन में इसका इस्तेमाल बचाव की गारंटी साबित होगा।

अमेरिका में कोरोना ने तोड़े अब तक के सारे रिकॉर्ड, एक दिन में 80 हजार नए केस मिलने से हड़कंप

वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोना वायरस की दूसरी लहर लौट आई है और यह लोगों को फिर से दहशत में डाल दिया है। अमेरिका में कोरोना वायरस ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और एक दिन में 80 हजार नए पॉजिटिव केस मिलने से हड़कंप मच गया है। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में शुक्रवार को एक दिन में करीब 80 हजार कोरोना वायरस के नए केस सामने आए। गुरुवार रात 8.30 बजे से शुक्रवार रात 8.30 बजे के बीच के आंकड़ों में अमेरिका में कोविड-19 के 79,963 के नए केस दर्ज किए गए। कोरोना का यह आंकड़ा इसलिए भी डराता है क्योंकि अब तक अमेरिका में एक दिन

में इतने मामले नहीं आए थे। जब से कोरोना महामारी शुरू हुई है, तब से सबसे अधिक आंकड़ा है। इससे अमेरिका में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 8.5 मिलियन हो गई है। अमेरिका में कोरोना का दूसरा प्रकोप ऐसे वक्त में आया है, जब वहां 3 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। इधर, दुनियाभर में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के तेजी से बढ़ने से संक्रमितों की संख्या 4.17 करोड़ से अधिक हो गई है और इससे मरने वालों का आंकड़ा 11.37 लाख के पर पहुंच गया। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, विश्व में कोरोना वायरस से अब तक 4.17 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 11.37 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है। इस महामारी से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में संक्रमण से अब तक 2.23 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि संक्रमितों की संख्या 85 लाख को पार कर गई है। भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस के 54,366 नये मामले सामने आये और संक्रमितों की कुल संख्या 77,61,312 हो गई। इसी अवधि में 73,979 लोगों ने कोरोना को मात दी और इसे मिलाकर देश में अब तक 69,48,497 मरीज कोरोनामुक्त हो चुके हैं। नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक होने से सक्रिय मामले 20,303 घटकर 6,95,509 हो गये हैं। इस दौरान 690 कोरोना संक्रमितों की मौत हुई और इस संख्या को मिलाकर इस महामारी से अब तक 1,17,306 लोगों की जान जा चुकी है। ब्राजील में कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 53.23 लाख से अधिक हो गयी है जबकि करीब 1.55 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

बिहार का रण इतना आसान कहां...छोटे दलों के गठबंधन भी डालेंगे चुनाव पर असर, जानें कैसे बिगड़ सकता है जीत-हार का समीकरण

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार में सभी पार्टियां पूरी ताकत झोंक रही हैं। कोई भी दल एक-दूसरे को घेरने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहा है। जदयू-भाजपा और राजद-कांग्रेस गठबंधन के बाद सबसे अक्रामक रुख ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेकुलर फ्रंट का है। फ्रंट में शामिल पार्टियों के जातीय समीकरणों को जोड़ लिया जाए, तो फ्रंट सीट भले ही नहीं जीते, पर खेल बिगाड़ सकता है। राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (आरएलएसपी) की अगुआई वाली इस सेकुलर फ्रंट में बसपा और एआईएमआईएम सहित कई दूसरी छोटी पार्टियां शामिल हैं। आंकड़े बताते हैं कि यह पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ती है, तो बहुत ज्यादा असरदार साबित नहीं होती है। पर जब कई छोटी-छोटी पार्टियों का वोट एक साथ मिल जाता है, तो उसका असर बढ़ जाता है। आरएलएसपी ने 2015 के चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन में 23 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, इसमें से दो सीट पर जीत हासिल हुई थी। पर वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव आरएलएसपी ने महागठबंधन के साथ लड़ा, पर वह कोई भी सीट नहीं जीत पाई। ऐसे में पार्टी अकेले चुनाव

लड़ती तो आरएलएसपी के लिए इस बार लड़ाई मुश्किल होती। एआईएमआईएम भी पिछले चुनाव में सिर्फ 0.25 फीसदी वोट हासिल कर पाई। पर इस बार बसपा भी सेकुलर फ्रंट में शामिल हैं। बसपा को वर्ष 2015 में दो फीसदी वोट मिला था। ऐसे में इन सभी पार्टियों को वोट बैंक जोड़ लिया जाए, तो कुछ सीट पर यह निर्णायक साबित हो सकता है। इन सीट पर मुस्लिम के साथ दलित और अन्य वोट मिल जाए, तो जीत हो सकती है। सीएसडीएस के निदेशक संजय कुमार मानते हैं कि बिहार के पिछले चुनावों में करीब बीस फीसदी वोट छोटे दलों को मिला था। यह दल अलग-अलग होते हैं, तो यह बिखरा रहता है, पर जब कुछ दल एक साथ मिल जाते हैं, तो कुछ सीट पर यह वोट असरदार साबित होता है। ऐसे में यह दल चुनाव में एक-दो सीट जीत सकते हैं। सीमांचल के चार जिले- किशनगंज, कटिहार, अररिया और पूर्णिया की चालीस सीटों पर अल्पसंख्यक मतदाताओं की तादाद अच्छी-खासी है। किशनगंज में करीब सत्तर फीसदी मुस्लिम मतदाता है। ऐसे में इन सीटों पर सेकुलर फ्रंट के किसी उम्मीदवार के पक्ष में माहौल बनता है, तो वह सीट निकाल सकता है। यह स्थिति किसी आरक्षित सीट पर भी हो सकती है।

पानी की बर्बादी करने पर अब होगी 5 साल की सजा, देना होगा एक लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। पानी की बर्बादी करने वालों को अब सावधान रहने की जरूरत है। कोई भी व्यक्ति और सरकारी संस्था यदि भूजल स्रोत से हासिल होने वाले पीने योग्य पानी (पोटेबल वाटर) की बर्बादी या बेवजह इस्तेमाल करता है तो यह एक दंडात्मक अपराध माना जाएगा। इससे पहले भारत में पानी की बर्बादी को लेकर दंड का कोई प्रावधान नहीं था। घरों की टंकियों के अलावा कई बार टैंकों से जगह-जगह पानी पहुंचाने वाली नागरिक संस्थाएं भी पानी की बर्बादी करती है। सीजीडब्ल्यूए के नए निर्देश के अनुसार पीने योग्य पानी का दुरुपयोग भारत में 1 लाख रुपये तक के जुर्माना और 5 साल तक की जेल की सजा के साथ दंडनीय अपराध होगा। सीजीडब्ल्यूए ने पानी की बर्बादी और बेवजह इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए 08 अक्तूबर, 2020 को पर्यावरण (संरक्षण) कानून, 1986 की धारा पांच की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए प्राधिकरणों और देश के सभी लोगों को संबोधित करते हुए अपने आदेश में कहा है कि इस आदेश के जारी होने की तारीख से संबंधित नागरिक निकाय जो कि राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में पानी आपूर्ति नेटवर्क को संभालती हैं और जिन्हें जल बोर्ड, जल निगम, वाटर वर्क्स डिपार्टमेंट, नगर निगम, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण, पंचायत या किसी भी अन्य नाम से पुकारा जाता है, वो यह सुनिश्चित करेंगी कि भूजल से हासिल होने वाले पोटेबल वाटर यानी पीने योग्य पानी की बर्बादी और उसका बेजा इस्तेमाल नहीं होगा। इस आदेश का पालन करने के लिए सभी एक तंत्र विकसित करेंगी और आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक उपाय किए जाएंगे। देश में कोई भी व्यक्ति भू-जल स्रोत से हासिल पीने योग्य पानी का बेवजह इस्तेमाल या बर्बादी नहीं कर सकता है।

दुनिया की दिग्गज तेल, गैस कंपनियों के प्रमुखों से बातचीत करेंगे सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया की दिग्गज तेल एवं गैस कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ सोमवार को बातचीत करेंगे। इस सालाना कार्यक्रम का आयोजन नीति आयोग और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय कर रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि नीति आयोग और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय का यह इस प्रकार का पांचवां कार्यक्रम हैं। इस गोलमेज बैठक में प्रमुख तेल एवं गैस कंपनियों के करीब 45 सीईओ शामिल होंगे।

बयान के अनुसार वीडियो कांफ्रेन्स के जरिए आयोजित बैठक का उद्देश्य बेहतर गतिविधियों को समझने, सुधारों पर चर्चा करने और भारतीय तेल एवं गैस मूल्य श्रृंखला में निवेश में तेजी लाने के लिए रणनीतियों के बारे में जानकारी के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करना

● बैठक में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा इस्पात मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान उद्घाटन भाषण देंगे। उसके बाद तेल एवं गैस क्षेत्र में भारत की योजना और अवसर के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उसके बाद वैश्विक सीईओ और विशेषज्ञों के साथ परिचर्चा होगी। बैठक में अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) के सीईओ तथा संयुक्त अरब अमीरात के उद्योग और अत्याधुनिक प्रौद्योगिक मामलों के मंत्री सुलतान अहमद अल जाबेर, कतर के ऊर्जा मंत्री और कतर पेट्रोलियम के अध्यक्ष और सीईओ साद शेरिदा अल-काबी, ओपेक के महासचिव मोहम्मद सनुसी बरकिंडो शामिल होंगे।

है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 2030 तक यहां तेल एवं गैस क्षेत्र में 300 अरब डॉलर से अधिक निवेश होने का अनुमान है। इस लिहाज से बैठक महत्वपूर्ण है।

बयान के अनुसार प्रधानमंत्री 26 अक्टूबर को वीडियो कांफ्रेन्स के जरिए शाम 5.30 बजे सीईओ के साथ बातचीत करेंगे। पीएमओ के अनुसार भारत वैश्विक तेल एवं गैस क्षेत्र में महत्वपूर्ण देश है। कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता तथा चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक है। भारत के वैश्विक तेल एवं गैस मूल्य श्रृंखला में एक सक्रिय भागीदारी बनने के इरादे से नीति आयोग ने सबसे पहले 2016 में वैश्विक तेल एवं गैस कंपनियों के सीईओ की गोलमैज बैठक का आयोजन किया था।

बैठक में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा इस्पात मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान उद्घाटन भाषण देंगे। उसके बाद तेल एवं गैस क्षेत्र में भारत की योजना और अवसर के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उसके बाद वैश्विक सीईओ और विशेषज्ञों के साथ परिचर्चा होगी। बैठक में अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) के सीईओ तथा संयुक्त अरब अमीरात के उद्योग और अत्याधुनिक प्रौद्योगिक मामलों के मंत्री सुलतान अहमद अल जाबेर, कतर के ऊर्जा मंत्री और कतर पेट्रोलियम के अध्यक्ष और सीईओ साद शेरिदा अल-काबी, ओपेक के महासचिव मोहम्मद सनुसी बरकिंडो शामिल होंगे।

इसके अलावा रूस की कंपनी रोसनेफ्ट के सीईओ और चेयरमन इगोर सेचिन, बीपी लि. के सीईओ बर्नार्ड लूनी, टोटल एसए फ्रांस के चेयरमैन और सीईओ पैट्रिक पोयाने, वेदांता रिर्सोसेज लि. के चेयरमैन अनिल अग्रवाल, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के कार्यकारी निदेशक फतीह बिरोल, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा मंच के महासचिव जोसेफ मैक मोनिगले और गैस निर्यातक देशों के मंच के महासचिव यूरी सेंतीरीन भी अपने विचार प्रधानमंत्री के साथ साझा करेंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री सेरावीक के इंडिया एनर्जी फोरम का उद्घाटन करेंगे। इसका आयोजन विश्लेषण और समाधान सेवा देने वाली एचआईएस मार्किट कर रही है।

एक तो कोरोना ऊपर से जहरीली हवा

बिना लॉकडाउन ही घरों में रहने को मजबूर दिल्ली-एनसीआर के लोग

नई दिल्ली। दिल्ली वालों के लिए अक्टूबर का महीना बहुत भारी हो सकता है। एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि इस बार अक्टूबर सबसे अधिक प्रदूषित रह सकता है। पूर्वानुमान पर यकीन करें तो इस बार बेहद खराब दिन के साथ गंभीर श्रेणी के दिन भी अधिक मिल सकते हैं। अभी तक अक्टूबर में दो दिन राजधानी को बेहद खराब मिल चुके हैं। पूर्वानुमान के अनुसार अगले दो दिन प्रदूषण स्तर बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में रह सकता है। हवाओं की गति में सुधार होने की स्थिति नहीं है। पिछले साल की तुलना में प्रदूषण इस अक्टूबर में 15 से 20 प्रतिशत अधिक रहने की आशंका एक्सपर्ट जता रहे हैं। पराली पहले जलने का कारण इसे कह सकते हैं। गौरतलब है कि 2019 में प्रदूषण में काफी कमी दर्ज की गई थी। विभिन्न तरह के प्रयास नजर आने लगे थे। पराली जलना भी अक्टूबर के अंतिम हफ्ते में जोर पकड़ रहा था। इस बार स्थितियां बदल गई हैं। ईपीसीए को सफर ने पूर्वानुमान दिया है। जिसके मुताबिक शनिवार को राजधानी का प्रदूषण स्तर कुछ समय के लिए गंभीर श्रेणी में पहुंच सकता है। वहीं ईपीसीए ने यह भी कहा है कि 25 अक्टूबर से जो हवाएं चलेंगी उन्हें लेकर स्थिति साफ नहीं है। यदि वह पराली के धुएं को लेकर आई तो स्थिति और खराब हो सकती है। इसलिए अभी ईपीसीए स्थिति पर नजर बनाए हुए है। राजधानी और आसपास के इलाकों में शुक्रवार को प्रदूषण ने सांसें फुला दीं। दिल्ली के 35 मॉनिटरिंग सेंटरों में से 10 पर दोपहर 2 बजे तक प्रदूषण गंभीर स्तर पर रहा। यानी हवा की क्वॉलिटी बताने वाला सूचकांक 401 से ज्यादा रहा। आउटर दिल्ली के अलीपुर में तो यह 454 दर्ज किया गया, जो हेल्थ इमरजेंसी को दिखाता है। इसकी बड़ी वजह सुबह के समय हवा की रफ्तार का शून्य होना और पराली के धुएं का योगदान बढ़कर 17% होना रहा। दोपहर बाद दिल्ली और एनसीआर के इलाकों में हवा के रफ्तार पकड़ने से औसतन AQI 'बेहद खराब' कैटिगरी में रहा। दिल्ली में यह औसतन 366 रहा। शाम तक दिल्ली में 5 सेंटरों पर ही प्रदूषण 'गंभीर' रह गया। राजधानी में शुक्रवार की हवा 8 महीने में सबसे खराब रही।

भारत बार-बार दिखा रहा दरियादिली

चीन की शह पर नेपाल भूला मित्रता, भारतीयों के लिए बंद किया पुल

पिथौरागढ़। भारत-नेपाल के बीच वर्षों पुराना रोटी-बेटी संबंध सीमा विवाद की भेंट चढ़ गया है। चीन की दखल ने आग में घी का काम किया है। पिछले कुछ समय से भारत की ओर किए जा रहे तमाम कोशिशों के बावजूद पड़ोसी देश नेपाल के साथ रिश्ते सहज नहीं हो पा रहे हैं। भारत की तरफ से बार-बार दिखा दरियाली दिखाने के बावजूद नेपाल मित्रता भूलता जा रहा है। इस ताजा उदाहरण भारत-नेपाल सीमा पर देखने के मिल रहा है। कोरोना संकट के कारण करीब सात माह से बंद पड़े बॉर्डर को भारत सरकार ने खोल दिया है, लेकिन नेपाल की ओली सरकार इसके लिए सहमत नहीं है। नेपाल ने बॉर्डर के अपनी तरफ पुलिस बल तैनात कर सीमा को बंद कर रखा है। इससे भारत के सीमा खोलने के बावजूद दोनों देशों के बीच आवाजाही सामान्य नहीं हो पा रही है। चीन की तरह नेपाल भी अब भारत के खिलाफ दोहरा चरित्र अपना रहा है। वह

कहता कुछ है और करता कुछ है। शुक्रवार को झूलापुल में भी यही देखने को मिला। नेपाल ने अपने नागरिकों के लिए भारत में प्रवेश के दौरान तो झूलापुल खोला, लेकिन जब भारतीय नागरिक अपने रिश्तेदारों से मिलने नेपाल जाने लगे तो प्रहरियों ने पुल बंद कर दिया। डेढ़ घंटे से अधिक समय तक नेपाली नागरिक पुल पर बैठे रहे। भारत-नेपाल सीमा पर शुक्रवार को नेपाल प्रहरियों ने डेढ़ घंटे से अधिक समय तक पुल बंद रखा। इससे नेपाल, अपने रिश्तेदारों से मिलने जा रहे भारतीय नागरिक फंस गए। लोगों ने कहा कि पुल खुलने पर उन्हें अपने रिश्तेदारों को सामान देने जाना था। लेकिन पुल बंद होने से उन्हें दिक्कत हुई। हांलाकि बाद में नेपाल प्रहरियों ने पुल खोल दिया। नेपाली पेंशनरों की समस्या को देखते हुए नेपाल से भारत से तीन दिन के लिए सुबह नौ से दोपहर दो बजे तक पुल खुलने की अपील की। भारत प्रशासन की सहमति के बाद पहले दो दिन निर्धारित समय तक दोनों देशों की तरफ से पुल खुले रहे, लेकिन अंतिम दिन नेपाल की तरफ से झूलापुल पर कुछ घंटों के लिए ताले लगा दिए गए। इससे लोगों में आक्रोश है।

भारत ने 28 बार नेपाली नागरिकों के लिए खोला झूलापुल-नेपाल, चीन के बहकावे में आकर भारतीय सीमा पर जगह-जगह अपने सैनिकों की तैनाती कर रहा है। नेपाल की इस विरोधी रवय्ये के बावजूद भारत ने हमेशा पड़ोसी देश से अपने मित्रता निभाई। जब सारे दुनिया की सीमाएं बंद थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हमारी आलोचना

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत की जो आलोचना की है, वह न सिर्फ दुखद, बल्कि शुद्ध रूप से राजनीति प्रेरित भी है। उन्होंने कहा है, 'चीन को देखो, कितना गंदा है। रूस को देखो, भारत को देखो, ये बहुत गंदे हैं, हवा गंदी है'। बेशक, इसमें भारत के साथ रूस और चीन को भी उन्होंने रखा है, लेकिन उनका भारत पर विशेष रूप से जोर देना बहुत लोगों को नागवार गुजरा है, तो कोई आश्चर्य नहीं। इसके पहले ट्रंप भारत को टैरिफ किंग भी बता चुके हैं। ट्रंप का ऐसा कहना, वहां की राजनीति में उनके विरुद्ध भी जा सकता है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाली सीधी बहस का यह आखिरी दौर था और इसमें भारत का नाम लेकर आलोचना करना और पर्यावरण संबंधी अपनी नीतियों का बेशर्म बचाव करने की कोशिश करना अनुचित ही नहीं, शर्मनाक भी है। अव्वल तो एकाधिक मौकों पर ट्रंप भारत और भारतीयों को अपना मित्र या सहयोगी बता चुके हैं। वह यह मानकर चल रहे हैं कि अमेरिका में उन्हें भारतीय मूल के अमेरिकियों के ज्यादा वोट मिलेंगे, लेकिन तब भी क्या उन्हें प्रदूषण या पर्यावरण के मामले में भारत की निंदा करनी चाहिए थी? क्या यह आलोचना का उचित अवसर था? क्या ट्रंप को इस बात का एहसास हो गया है कि भारतीय मूल के ज्यादातर अमेरिकी मतदाता डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बिडेन के पक्ष में मतदान करने वाले हैं? खैर, ट्रंप को अपने देश में ही तत्काल आलोचना का सामना करना पड़ा है। उनके बयान को भ्रामक करार दिया गया है, भारत भले ही प्रदूषित देशों में शुमार है, लेकिन जब जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार देशों की बात आती है, तो ट्रंप की टिप्पणी खरी नहीं उतरती। वस्तुस्थिति तो यह है कि जलवायु परिवर्तन के लिए अमेरिका बहुत हद तक जिम्मेदार है, लेकिन वह ट्रंप के नेतृत्व में अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़कर दूसरों को दोष दे रहा है। ट्रंप के मुंह से रूस और चीन की आलोचना तो समझ में आती है, लेकिन भारत को भी साथ रखना कूटनीतिक और व्यावहारिक रूप से भी गलत है। ट्रंप ने शायद अपना नुकसान कर लिया है। उन्हें यह परवाह नहीं है कि उनका देश भारत के साथ रणनीतिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ चुका है और ऐसे में, भारत को आलोचना का निशाना बनाना हर प्रकार से अनुचित है। जाहिर है, ट्रंप द्वारा किए गए प्रहार के बाद अब डेमोक्रेट पूरी तरह से भारत के पक्ष में खड़े दिख रहे हैं, उन्होंने कहा है कि ट्रंप हमारे दक्षिण एशियाई समुदाय की जीवंतता, सुंदरता और विविधता का सम्मान नहीं करेंगे। अमेरिका में बड़ी संख्या में ऐसे भारतीय मूल के नागरिक होंगे, जो ट्रंप से दूर चले जाएंगे। भारत को आधिकारिक रूप से अमेरिकी राजनीति में नहीं पड़ना चाहिए, लेकिन भारतीय विशेषज्ञों को यह बात जोर देकर बतानी चाहिए कि जलवायु परिवर्तन में भारत या किस देश का कितना योगदान है। साथ ही, यह सही समय है, जब भारत अपनी कोशिशों पर गौर करें और ज्यादा व्यावहारिक बने। दुनिया के प्रदूषित देशों में हमारी गिनती ज्यादा समय तक नहीं होनी चाहिए। अपने तेज विकास के लिए युद्ध स्तर पर प्रदूषण का उपचार करना जरूरी हो गया है। पराली की गंदगी से घिरी राष्ट्रीय राजधानी की हमें सबसे पहले चिंता करनी चाहिए। हम दुनिया को आलोचना का मौका कब तक देते रहेंगे?

आज के ट्वीट

सुरक्षा

गृहमंत्री अमित शाह जी से अपील है अर्नब गोस्वामी को अविलंब Z+ सुरक्षा दी जाये वह 100 करोड़ की जनता का निष्पक्ष पत्रकार है

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

एक अपराध से उपजे अनेक सवाल

क्षमा शर्मा

निर्भया के दुष्कर्म की घटना के लगभग आठ साल बाद पिछले दिनों चंदपा, जिला हाथरस में एक उन्नीस साल की दलित लड़की के साथ नृशंसता और दुष्कर्म की घटना देश में छाई रही है। चंदपा, हाथरस से बारह किलोमीटर दूर है, मगर नाम बार-बार हाथरस का आया । इस बच्ची के साथ जो घटना हुई, वह दिल दहला देने वाली है। हालांकि वहां की पुलिस ने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट में दुष्कर्म नहीं, मारपीट का ही जिक्र था। यही नहीं, सोशल मीडिया के कुछ वीर तरह-तरह की अफवाहें भी फैलाने लगे। कुछ लोग यह भी बताने लगे कि परिवार पहले तो कुछ करना नहीं चाहता था, लेकिन जैसे ही राजनीति के पंडित वहां पहुंचे, मामले ने तूल पकड़ लिया। जो भी हो, उस लड़की के साथ क्या हुआ, वह अब कभी बताने नहीं आएगी। उसकी जान जा चुकी है। सामाजिक समरसता और न्याय की मांग तो उसी दिन कमजोर पड़ गई, जिस दिन इसे स्त्री के प्रति भीषण अपराध न बताकर, दलित और सवर्ण के खाने में बांट दिया गया। हद तो यह हो गई कि बहस यहां तक आ पहुंची कि दलित और सवर्ण स्त्री के साथ दुष्कर्म की पीड़ा अलग-अलग होती है। औरतों को न्याय दिलाने की यह कैसी परिभाषा है। सच है कि दलित हमारे समाज में पीड़ित हैं। उन्हें न्याय मिलना ही चाहिए लेकिन बलात्कार जैसे जघन्य अपराध को जो भी स्त्री झेलती है, उसकी पीड़ा एक जैसी होती है। फिर वह चाहे दलित हो, सवर्ण हो, ओबीसी हो या अल्पसंख्यक। क्या ऐसा कोई सर्वेक्षण हुआ, जिसमें इस तरह की पीड़ा को झेलने वाली स्त्रियों से बात की गई हो, उनकी जांच की गई हो। और पाया गया हो कि उनकी पीड़ा अलग-अलग थी। या कि सवर्ण स्त्रियों के साथ हुआ दुष्कर्म, जघन्य अपराध है ही नहीं। दरअसल अधिकांश नेताओं को किसी स्त्री के प्रति हुए अपराध की चिंता तभी तक होती है, जब तक उनके चुनावी गणित में कोई फायदा होता दिखता है। वरना उन्हें जातिवाद की राजनीति और महिलाओं को दोयम दर्जे का नागरिक समझने से कोई परहेज नहीं है। तभी तो गाहे-बगाहे ऐसे बयान सामने आते रहते हैं, जो महिलाओं के सम्मान की खातिर दिए गए तो कतई नहीं लगते। चैनल्स और सोशल मीडिया में ये छा जाते हैं। तब नेता लोग बड़ी मासूमियत से यह कहकर बचने का प्रयास करते हैं कि उनके मंतव्य को सही ढंग से नहीं समझा गया या उन्हें गलत ढंग से कोट किया गया। इसके अलावा इन दिनों जनता की अनास्था कितनी है कि जो भी परिवार किसी अपराध को झेलता है, वह स्थानीय पुलिस, प्रशासन पर अपना अविश्वास प्रकट करता है। केस को दूसरे राज्य में ट्रांसफर करने की मांग की जाने लगती है। यह भी है कि जब फैसला अपने पक्ष में आता है, तब तो ठीक है। अगर विपक्ष में आए तो कहा जाने लगता है कि जांच एजेंसियां और अदालतों से न्याय की उम्मीद बेकार है क्योंकि वहां कुछ विशेष जातियों का वर्चस्व है। हद यह भी होती है कि मीडिया का एक वर्ग प्रशासन के पीछे पड़ जाता है। हाथरस के मामले में भी यही हुआ। वहां जब कुछ अधिकारियों को हटा दिया गया तो बहुत से चैनल्स जश्न भी मनाने लगे। ऐसा लगा कि जैसे इस बात की खुशी मना रहे हों कि जो कहा था, वह कर दिखाया। क्या चैनल्स के ये लोग इतने बच्चे हैं कि यह नहीं जानते कि प्रशासन के लोग वही करते हैं, जैसा ऊपर से आदेश होता है। फिर जो अधिकारी हटाए गए, उनकी जगह दूसरे आ जाएंगे। ऐसा क्या बदल जाएगा। चैनल्स में इन दिनों नई परिपाटी चल पड़ी है कि वे किसी भी बहस को डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की पहलवानी की तरह करते हैं। और पुलिस, दारोगा, न्यायाधीश सब कुछ बन जाते हैं। वे टू मिनट नूडल्स की तरह त्वरित फैसला चाहते हैं। तो फिर इतने लम्बे-चौड़े प्रशासन और अदालतों की क्या जरूत है। यह जिम्मेदारी इन चैनल्स के महावीरों को ही सौंप देनी चाहिए। वे ही कर देंगे फैसला। हर चैनल इन दिनों अपने को सत्य का पहरुआ कहता है और एक-दूसरे के विपरीत खबरें दिखाता है। तो आखिर सत्य कहां है। कहा जाना चाहिए कि सत्य सबसे बड़ी कैज्युअल्टी है। किसी पर आरोप लगते ही बिना किसी जांच-परख के उसे अपराधी बनाकर, चौराहे पर फांसी देने से न्याय कैसे मिलता है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा नहीं बल्कि इसके विरुद्ध भी है, लेकिन इसकी चिंता कोई क्यों करे। उस उन्नीस साल की लड़की ने अपनी जान गंवा दी, मगर चैनल्स को अपनी टीआरपी की चिंता रही और दलों को अपने-अपने वोट की। इस वर्ष जब निर्भया के चार दोषियों को फांसी दी गई थी तो निर्भया की मां ने कहा था कि इस फैसले से अपराधी डरेंगे। अब कोई किसी लड़की को नहीं सता पाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नया दुष्कर्म कानून भी जब बना था, तब भी ऐसा ही कहा गया था। लेकिन तब से अब तक, हजारों की संख्या में देश में दुष्कर्म हो चुके हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार देश में हर दिन 88 दुष्कर्म होते हैं। यानी कि कैसा भी कठोर कानून बना दो, अपराधियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। सोचने की बात है कि अगर अपराधी कानून से नहीं डरते तो क्या किया जाए। लोग कहते हैं कि शिक्षा ऐसे अपराधों को दूर कर सकती है। मगर केरल जैसे सौ फीसदी साक्षर राज्य में भी दुष्कर्म बड़ी संख्या में होते हैं। पश्चिमी देश भी दुष्कर्म जैसे अपराधों से मुक्त नहीं हैं। बहुत से विशेषज्ञ कहते हैं कि इस तरह के अपराधों की बढ़ोतरी का बड़ा कारण पोर्न की सहज उपलब्धता है। पहले तो पोर्न देखने के लिए कुछ प्रयास करने पड़ते थे, लेकिन अब तो मोबाइल के जरिए यह हर एक के हाथों में उपलब्ध है। पोर्न हर सम्बंध को सिर्फ शारीरिक सम्बंध में बदलता है। यहां न कोई मां है, न बहन, न मौसी, न ताई, न चाची। यही कारण है कि आठ माह की बच्ची से लेकर सौ साल तक की महिला दुष्कर्म जैसे अत्याचार से मुक्त नहीं है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

भाग्य का महत्व

सद्गुरु

जो लोग भाग्य में विश्वास रखते हैं, उसके सहारे रहते हैं, वे हमेशा तारों, ग्रहों, स्थानों की तरफ देखते रहते हैं। यहां तक कि वे भाग्यशाली जूतों, भाग्यशाली साबुन, भाग्यशाली नंबर तथा इसी तरह की चीजों को ढूंढते रहते हैं। भाग्य के सहारे आगे बढ़ने की चाह में वे उन चीजों को भी खो देते हैं, जो वे खुद आराम से कर सकते थे। आप की शांति या अशांति, आप की स्वस्थ मानसिकता या आप का पागलपन, आप की खुशी या आप का दुख, आप के अंदर भगवान या शैतान, ये सब आप का काम है, आपका किया धरा है। आज सुबह से शाम तक आपने कैसा अनुभव किया, यह आप पर निर्भर करता है। अपने आसपास के लोगों के साथ आप का कितना टकराव है, यह सिर्फ इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने आसपास के लोगों और परिस्थितियों को तथा उनकी सीमाओं और संभावनाओं को समझने में कितने असंवेदनशील रहे। यह इस बात से बिल्कुल भी तय नहीं होता कि आप कौन सा भाग्यशाली पत्थर या तावीज पहने हुए थे। यह सिर्फ इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितनी संवेदनशीलता, बुद्धिमता और जागरूकता के साथ अपने आसपास के जीवन को देखते हैं, काम करते हैं और रहते हैं। एक दिन दो इंसान हवाई अड्डे पर मिले। उनमें से एक बहुत ही ज्यादा दुखी, परेशान दिख रहा था। दूसरे ने पूछा, 'आप को क्या हुआ है?' पहला बोला, 'क्या-क्या बताऊं? मेरी पहली पत्नी कैंसर से मर गई, दूसरी पड़ोसी के साथ भाग गई, बेटा जेल में है क्योंकि उसने मुझे जान से मारने की कोशिश की, मेरी 14 साल की बेटी गर्भवती है, मेरे घर पर बिजली गिर पड़ी, शेयर बाजार में आज मेरे सारे शेयर्स के भाव गिर गए और आज मेरी मेडिकल रिपोर्ट आई है, जिससे पता चला है कि मुझे एड्स है।' दूसरा बोला, 'ओह, आप का भाग्य कितना खराब है! वैसे आप काम क्या करते हैं?' पहले ने जवाब दिया, 'मैं लकी चार्म बेचता हूं'! बात यह है कि यदि आप एक खास तरह के हैं तो एक खास तरह की चीजें आप की ओर आकर्षित होंगीं। अगर आप किसी दूसरी तरह के हैं तो फिर कुछ और तरह की चीजें आप के लिए होंगी। अगर किसी स्थान पर एक फूलों वाली झाड़ी है और एक कंटीली, सूखी झाड़ी है तो सभी मधुमक्खियां फूलों वाली झाड़ी की ओर जाएंगी।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

भूख का समाधान किये बिना विकास अधूरा

लक्ष्मीकांता चावला

भारत विश्व के बहुत से देशों से हर क्षेत्र में आगे है, पर भूख के विषय में हम पीछे रह जाते हैं। इस बार भी वैश्विक भूख सूचकांक के जो आंकड़े मिले हैं, उसमें 117 देशों में भारत 94वें स्थान पर है। यह ठीक है कि पिछली बार हम 102वें स्थान पर थे। इस सूची में हम गंभीर स्थिति वाले देशों में हैं। भारत से अच्छी स्थिति तो नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश म्यांमार की है। जिस देश से आज हमारा मुकाबला है, युद्ध में भी और आयात-निर्यात में भी, वह चीन हमारे से बहुत आगे है। शीर्ष रैंक पर जो 17 देश हैं, उनमें चीन के साथ बेलारूस, यूक्रेन, तुर्की, क्यूबा, कुवैत हैं। हमारी इस स्थिति के लिए विशेषज्ञों ने खराब कार्यान्वयन प्रक्रिया, प्रभावी निगरानी की कमी, कुपोषण से निपटने का उदासीन दृष्टिकोण और बड़े राज्यों के खराब प्रदर्शन को दोषी ठहराया है। अच्छा होता इन कमियों के साथ ही रिश्वत, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को भी दोषी ठहरा दिया जाता। कौन नहीं जानता कि जब गरीब के लिए राशन बांटा जाता है तो अनाज से भरे ट्रक को सत्ता पक्ष का कोई नेता, पार्षद या हलका इंचार्ज बांटते हैं। कौन नहीं जानता कि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टरों, अधिकारियों तथा डिपो होल्डरों के बीच ऐसा अपवित्र रिश्ता बन गया है कि जिनको राशन मिलना चाहिए वे बेचारे लाइनों में धक्के खाते हैं । यह भी सच है कि अधिकतर राशन बांटने का काम करने वाले पार्टीबाजी को भी आधार बनाते हैं। यह बीमारी किसी एक पार्टी में नहीं, अपितु जो भी सत्ता में होता है वही इन कीटाणुओं से घिर जाता है। पूरी दुनिया में प्रतिदिन भूख से 24 हजार लोग मर जाते हैं। इनमें से एक-तिहाई भारत के हैं और उसमें से भी बच्चे बहुत ज्यादा हैं। ऐसा लगता है किसी को इनकी चिंता नहीं। कभी भी संसद में, विधानसभाओं में इन अभागों पर कोई चर्चा होते नहीं देखी गई। अभी ताजी घटना है, पंजाब के फरीदकोट में एक परिवार के मुखिया ने दोनों बच्चों और पत्नी समेत अपने को जलाकर मार दिया। कारण गरीबी था। जो पंजाब और देश की गतिविधियों से परिचित हैं, वे जानते हैं कि इन दिनों पंजाब में बड़े आंदोलन चल रहे हैं पर पंजाब की इस घटना पर दो आंसू बहाने वाला किसी भी पार्टी का नेता नहीं है। जिस समय यह घटना हुई, लगभग उसी समय पंजाब के मुख्यमंत्री ने भोजन पर सभी विधायकों को बुलाया। यह तो बहुत साधारण बात है, पर अपने देश में करोड़ों लोग भूखे सोते हैं। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट के अनुसार 19 करोड़ सात लाख लोग भारत में कुपोषित हैं, जिनमें से महिलाएं और बच्चे अधिक प्रभावित हैं। अपने देश में 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं में से 50 प्रतिशत में खून की कमी है। लगभग 39 फीसदी बच्चे अपनी आयु के मुताबिक कम लंबाई के और 21 फीसदी का वजन कम है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स ने यह बताया कि भारत 2017 के मुकाबले यद्यपि इस इंडेक्स में छह अंक ऊपर आ गया है, पर अभी भी बहुत पीछे है। कैसी विडंबना है कि एक तरफ तो लोग भूखे मरते हैं, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार पिछले 25 वर्षों में भारत के खाना बर्बाद करने के आंकड़ों में कोई फर्क नहीं पड़ा। एक सरकारी जानकारी के अनुसार खाद्यान्न वितरण प्रणाली में सुधार और मोदी सरकार के जन कल्याण के दावों के बावजूद भारत में भूख की स्थिति गंभीर है पर इसका समाधान ढूंढने और भूखे पेट भरने के लिए कोई गंभीर दिखाई नहीं देता। सांसद, विधायक, केंद्र और प्रदेशों की सरकारें जब भी चर्चा करती हैं तो स्मार्ट सिटी बनाने की, स्मार्ट गांव बनाने की, विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन बनाने की और बढ़िया-बढ़िया हवाई जहाज हिंदुस्तान में लाने की चर्चा होती है। आश्चर्य तो यह भी है कि देश का संसद भवन जो बहुत ही सुंदर और पर्याप्त स्थान वाला है, अब उसके स्थान पर भी नया संसद भवन बनाने की तैयारी हो रही है। निश्चित ही करोड़ों नहीं, अरबों रुपये इस पर खर्च होंगे, पर प्रश्न यह है कि यह अनावश्यक खर्च तब तक क्यों किया जाए जब तक हिंदुस्तान के हर व्यक्ति के पेट में रोटी और सिर पर छत नहीं। क्या सरकारें यह अहसास करेंगी कि हमारी बहुत सी कमियों, कठिनाइयों का कारण बेहिसाब बढ़ती जनसंख्या है और जनसंख्या भी अधिकतर उसी वर्ग की है, जिसके पास न तन ढकने को है, न पेट भरने को। सच तो यह है कि आज तक कोई सरकार या शहरी विकास मंत्रालय बार-बार पूछने पर भी नहीं बता सका कि स्मार्ट की परिभाषा क्या है। स्वच्छता के लिए इन्हें पुरस्कार मिलते हैं। खुले में शौच मुक्ति के लिए बहुत से महानगरों को अपनी पीठ थपथपाने का मौका दिया जाता है, पर गंदगी उसी प्रकार फैल रही है जैसे यह नारे लगाने से पहले फैली थी। कौन इस स्मार्टनेस को स्वीकार करेगा जहां कुत्तों, चूहों, मच्छरों, मक्खियों और अब शहरों के आम घरों में छिपकलियों का भी आतंक है। सरकार लोगों का पेट तो भर नहीं सकी, पर स्मार्ट और बुलेट ट्रेन के नाम पर जनता को सब्जबाग जरूर दिखाए जा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टाटा मोटर्स ने कुल उत्पादन के लिहाज से 40 लाख का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली: प्रमुख ऑटो कंपनी टाटा मोटर्स ने शनिवार को कहा कि उसकी यात्री वाहन शाखा ने कुल उत्पादन के लिहाज से 40 लाख के आंकड़े को पार किया है। कंपनी ने करीब तीन दशक पहले 1991 में इस खंड में अपना पहला मॉडल टाटा सिएरा एसयूवी पेश किया था। टाटा मोटर्स ने इस दौरान इंडिका, सिएरा, सूमो, सफारी और नैनो जैसे मॉडल पेश किए और इससे पहले यात्री वाहनों के उत्पादन के लिहाज से 2005-06 में 10 लाख और 2015 में 30 लाख के आंकड़े को पार किया था। टाटा मोटर्स के अध्यक्ष (यात्री वाहन कारोबार इकाई) शैलेश चंद्र ने बताया, ''टाटा मोटर्स के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उद्योग में बहुत कम कंपनियां इस मुकाम को हासिल कर सकी हैं। 1991 में टाटा सिएरा को पेश करने के बाद यह एक लंबा सफर रहा है।'' उन्होंने कहा कि कंपनी अपने वाहनों के सुरक्षा पहलुओं पर खासतौर से ध्यान केंद्रित करने के साथ ही देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही है। उन्हें उम्मीद है कि कंपनी की कारों को अब बाजार में पहले से ज्यादा पसंद किया जा रहा और इससे अगली दस लाख बिक्री का आंकड़ा अपेक्षाकृत कम समय में हासिल होगा। टाटा मोटर के कारखाने पुणे में चिखली और गुजरात में साणंद में है। इसका फीएट के साझे में एक कारखाना पुणे में ही रंजनगांव में है।

एनपीपीए के तहत गोवा में मूल्य निगरानी एवं संसाधन इकाई की स्थापना हुई: सरकार

नयी दिल्ली. राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के तहत गोवा में एक मूल्य निगरानी एवं संसाधन इकाई की स्थापना की गयी है। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि एनपीपीए की पहुंच को बढ़ाने के लिए मूल्य निगरानी एवं संसाधन इकाई (पीएमआरयू) राज्य दवा नियंत्रक की प्रत्यक्ष निगरानी में काम करेगी। एनपीपीए ने उपभोक्ता जागरूकता, प्रचार और मूल्य निगरानी (सीएपीपीएम) योजना के तहत 15 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पीएमआरयू की स्थापना की है। इन इकाइयों का काम दवाओं की कीमतों की निगरानी करने, दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने में एनपीपीए की सहायता करना है।

भारत के डेटा सुरक्षा कानून में डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देने की क्षमता: फेसबुक

नई दिल्ली: सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने शुक्रवार को कहा कि देश में अपनाए जा रहे डेटा सुरक्षा कानून में भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक डिजिटल व्यापार को गति देने की क्षमता है। कंपनी का यह बयान डेटा सुरक्षा विधेयक 2019 पर संसद की संयुक्त समिति की सुनवाई के बाद आया है। इस समिति की अध्यक्ष भाजपा सांसद मीनाक्षी लेखी हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि ''निजी डेटा सुरक्षा विधेयक पर संयुक्त समिति के सदस्यों के साथ डेटा विनियम के मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर मिलने से हम गौरवान्वित हैं। हमें भरोसा है कि देश के डेटा सुरक्षा कानून में देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक डिजिटल व्यापार को गति देने की क्षमता है। हम सरकार के इस प्रयास में पूरा सहयोग देंगे।'' संसदीय समिति की बैठक की जानकारी रखने वाले सूत्र ने बताया कि समिति ने शुक्रवार को सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक से उसके राजस्व, लाभ और देश में कर के भुगतान को लेकर सवाल जवाब किए। कंपनी से पूछा गया कि उनकी आय का कितना हिस्सा देश में डेटा सुरक्षा के लिए इस्तेमाल होता है। कंपनी के नीतिगत प्रमुख अंखी दास ने समिति के समक्ष उसका पक्ष रखा। उनसे लगभग दो घंटे पूछताछ की गयी और कुछ कड़े सवाल पूछे गए। समिति में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने सवाल-जवाब किए। समिति के एक सदस्य ने बैठक के दौरान सुझाव दिया कि सोशल मीडिया मंच को उपयोक्ताओं के डेटा का उपयोग अपने विज्ञापन दाताओं के वाणिज्यिक लाभ या चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए नहीं करना चाहिए।

व्यक्तिगत आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा 31 दिसंबर तक बढ़ायी गयी

नयी दिल्ली,

व्यक्तिगत करदाताओं के लिये वित्त वर्ष 2019-20 का आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की समय-सीमा एक महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर कर दी गयी है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को इसकी घोषणा की। मंत्रालय ने कहा कि जिन करदाताओं के खाताओं की ऑडिट करने की जरूरत है, उनके लिये आईटीआर दाखिल करने की समय-सीमा दो महीने बढ़ाकर 31 जनवरी 2021 कर दी गयी है। सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के चलते इससे पहले मई में भी करदाताओं को अनुपालन में राहत देते हुए वित्त वर्ष 2019-20 के आईटीआर भरने की समय-सीमा 31 जुलाई से बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा, ''जिन करदाताओं के लिये आयकर रिटर्न भरने की समय-सीमा विस्तार से पहले 31 जुलाई 2020 थी, उनके लिये समय-सीमा 31 दिसंबर 2020 तक बढ़ा दी गयी है।'' इसी तरह जिन करदाताओं (उनके पार्टनरों समेत) के खाताओं की ऑडिट किये जाने की जरूरत है और जिनकी समयसीमा पहले 31 अक्टूबर 2020 थी, वे अब 31 जनवरी 2021 तक आईटीआर भर सकते हैं। सीबीडीटी ने कहा कि करदाताओं को आईटीआर भरने में अधिक समय देने के लिये समय-सीमा बढ़ायी गयी है। इसके अलावा, जिन करदाताओं को अंतरराष्ट्रीय/विनिर्दिष्ट घरेलू लेन-देन की सूचना भरने की जरूरत है, उनके लिये ये रिपोर्ट जमा कराने का समय 31 जनवरी 2021 तक के लिये बढ़ा दिया गया है। सीबीडीटी ने कहा, ''अधिनियम के तहत विभिन्न ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने की तारीख, जिसमें अंतरराष्ट्रीय ऑडिट या विशिष्ट घरेलू लेनदेन के संबंध में टैक्स ऑडिट रिपोर्ट आदि शामिल है, 31 दिसंबर 2020 तक बढ़ा दी गयी है।'' इन सब के साथ ही स्व-मूल्यांकन कर के भुगतान के मामले में छोटे और मध्यम वर्ग के करदाताओं को राहत देने के लिये भुगतान की नियत तिथियां बढ़ा दी गयी हैं।

सीपीआई- औद्योगिक श्रमिकों के आधार वर्ष में संशोधन संदेहजनक- एटक

नयी दिल्ली, ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) ने शनिवार को कहा कि औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) के आधार वर्ष को संशोधित करने के लिए श्रम मंत्रालय द्वारा उठाया गया कदम ''संदेहजनक'' है। एटक ने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि इस कदम से श्रमिकों को दिए जाने वाले महंगाई भत्ते (डीए) में कमी होगी। श्रम मंत्रालय ने हाल ही में सीपीआई-आईडब्ल्यू के लिए आधार वर्ष को 2001 से संशोधित कर 2016 कर दिया है। खुदरा महंगाई के मूल्यांकन में सीपीआई-आईडब्ल्यू एक मात्र सर्वाधिक महत्वपूर्ण मूल्य सूचकांक है, जिसके वित्तीय निहितार्थ हैं। सीपीआई-आईडब्ल्यू का इस्तेमाल मुख्य रूप से सरकारी कर्मचारियों और औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के महंगाई भत्ते को विनियमित करने के लिए किया जाता है।

सेबी ने IL&FS फाइनेंशियल सर्विसेज के खिलाफ अंडरराइटर प्रावधानों के उल्लंघन पर कार्यवाही बंद की

नई दिल्ली: बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को आईएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खिलाफ कार्यवाही बंद कर दी। यह कार्यवाही जोखिम में हामीदार बनने संबंधी प्रावधानों के कथित उल्लंघन को लेकर चल रही थी। आईएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड सेबी के पास एक पंजीकृत जोखिम हामीदार है। सेबी ने यह आदेश ऐसे समय दिया है, जब कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने सेबी को यह पता लगाने को कहा था कि अंडरराइटर सेबी के पास पंजीकृत मध्यस्थ के रूप में कार्य करते रहने के लिये पात्र है या नहीं। गंभीर धोखाधड़ी अन्वेषण कार्यालय (एसएफआईओ) ने इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएलएंडएफएस) और इसकी सहायक कंपनियों के ऋण संकट के लिये जिम्मेदार मामलों की जांच की थी। इसने अपनी रिपोर्ट कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय को सौंप दी थी, जिसे बाद में सेबी को भेज दिया गया था।

महामारी में बढ़ा क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल, अगर इन बातों का नहीं रखा ध्यान तो होगा आर्थिक नुकसान

नई दिल्ली।

कोरोना महामारी के दौरान लोगों का रूझान डिजिटल पैमेंट की ओर बढ़ा है। लोग अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं। एक और जहां क्रेडिट कार्ड के फायदे हैं, तो कई नुकसान भी है। लोग कई बार क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते समय भूल जाते हैं कि वह उनका पैसा नहीं है। क्रेडिट कार्ड के जरिए लोग कई बार फिजूल खर्ची का शिकार हो जाते हैं। क्रेडिट कार्ड पर उधार में पैसा मिलता है, जिसे उनको ब्याज के साथ बैंक को लौटाना होता है।

एमआईटी रिसर्च में सामने आई बात

एमआईटी की रिसर्च के मुताबिक, लोग क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करते वक्त अपनी क्षमता से 18 फीसदी ज्यादा खर्च करते हैं। लोग क्रेडिट कार्ड के जरिए फिजूल खर्ची चीजें खरीद लेतें हैं जिनकी आवश्यकता भी नहीं होती। हालांकि ग्राहक जब कैश लेकर मार्किट जाते हैं तो वह सोच समझकर पैसा खर्च करते हैं।

बिल पेमेंट पर जीएसटी

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वाले लोग काफी खर्चीले हो जाते हैं। अधिक खर्च के कारण क्रेडिट कार्ड का बिल पेमेंट करने में ही उनके ज्यादातर पैसे खत्म हो जाते हैं। अगर वे मिनिमम पेमेंट करते हैं, तो बकाया बिल पर पहले जीएसटी लगता है और कई बार सरचार्ज भी। ऐसे में लोगों को क्रेडिट कार्ज का इस्तेमाल कम करना चाहिए। देश के लोगों की भुगतान करने की क्षमता काफी अच्छी है। 92 फीसदी क्रेडिट कार्ड यूजर्स मिनिमम पेमेंट जरूर करते हैं। ट्रांस यूनियन कंपनी के सिबिल के साथ हुए एक सर्वे में यह खुलासा हुआ है।

क्रेडिट कार्ड से दूरी होगी मददगार

आपकी सैलरी का बड़ा हिस्सा अगर क्रेडिट कार्ड का बिल पेमेंट करने में ही जा रहा है तो यह ध्यान देने वाली बात है। आप अगर बड़ी पूंजी बनाना चाहते हैं तो आपकी क्रेडिट कार्ड से दूरी आपकी मदद कर सकती है।

40% होटल्स पर कोरोना की भयानक मार, बंद हो रहे हैं कैफे-रेस्टोरेंट

नई दिल्ली:

अगर आप वीकेंड में दिल्ली, नोएडा के फेमस इलाके जैसे कनॉट प्लेस, ग्रेटर कैलाश ,नोएडा सेक्टर 18 की अट्टा मार्केट या **gardens** गैलेरिया मॉल में दोस्तों के साथ खाने-पीने का प्लान बना रहे हैं तो ये खबर जरूर पढ़िएगा क्योंकि हो सकता है कि अब आपका फेवरेट रेस्तरां बंद हो चुका हो। कोरोना ने देश भर में 40 फीसदी होटल्स के शटरडाउन की नौबत ला दी है। उल्टी पड़ी कुर्सियां, सूखे पौधे और धूल खाते म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स , ग्लॉस प्लेट्स, ये हाल है दिल्ली -ह्रष्टक्र के रेस्टोरेंट्स का। कोरोना ने रेस्टोरेंट की शक्ल बिगाड़ दी। धंधा पूरा चौपट हो गया। नोएडा के मशहूर गार्डन गैलरिया मॉल में **the bar** कम्पनी के मालिक मनीष खट्टर ने कहा कि कॉर्पोरेट नहीं आ रहे हैं, टाइमिंग्स कम है लाइसेंस फीस का खर्चा है जिससे हालात खराब होते जा रहे हैं। **gardens** गैलेरिया मॉल के अलावा नोएडा सेक्टर 18 मार्केट में भी कई फाइन **dine** रेस्त्रां बंद हो चुके हैं। इसमें दूसरी महफिल, **the fizz** नाम के रेस्तरॉ भी शामिल हैं। कुछ खुले भी लेकिन कस्टमर आ नहीं रहे। सब कुछ खाली-खाली है और वीरानी पसरी है। नेशनल रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन इंडिया **(NRAI)** के मुताबिक फिक्स्ड किराया, सालाना जमा होने वाली लाइसेंस फीस और स्टाफ की सैलरी समेत दूसरे नियमित खर्च पूरा करना होटल मालिकों के लिए मुश्किल हो गया है।

भारतीय कारोबार वृद्धि की राह पर लौट रहा, महामारी से प्रभावित हुई थी बिक्री: यूनिलीवर

नई दिल्ली।

देश में कोविड-19 की रोकथाम के लिए लगाये गये कड़े 'लॉकडाउन' से यूनिलीवर के भारतीय कारोबार की बिक्री प्रभावित हुई। लेकिन अब उसका कारोबार फिर से विकास की राह पर लौट आया है। ब्रिटिश-डच कंपनी यूनिलीवर ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ब्राजील के साथ भारतीय कारोबार में वृद्धि की वापसी और चीन के बाजार में निरंतर सुधार ने कंपनी के उभरते बाजारों के कारोबार को बढ़ाने में मदद की है।

कारोबार ने 5.3 प्रतिशत की वृद्धि

सितंबर 2020 को समाप्त तिमाही में कंपनी के इस क्षेत्र के कारोबार ने 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। परिणाम जारी करने के बाद कंपनी ने एक बयान में कहा, 'भारत के व्यापार में कम यानी एकल अंक में वृद्धि हुई जिसका कारण खाद्य एवं जलपान और स्वच्छता कारोबार में वृद्धि होना है। इसके साथ-साथ चीन में निरंतर सौंदर्य एवं व्यक्तिगत देखभाल श्रेणियों की अगुवाई में कारोबार बढ़ने से दोहरे अंकों में वृद्धि हुई है तथा वहां घर के बाहर खाना सेवा का कारोबार पूरी क्षमता से चलने लगा है।'

आर्थिक गतिविधियों में तेजी

यूनिलीवर ने कहा कि साल के शुरुआत में लागू किये गये कड़े लॉकडाउन के बाद, भारत के आर्थिक गतिविधियों में तेजी आई है, हालांकि कोविड-19 के मामले अभी भी लगातार बढ़ रहे हैं। कुल मिलाकर यूनिलीवर ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 12.9 अरब यूरो का कारोबार किया है, जो कि 2019 की समान अवधि की तुलना में 2.4 प्रतिशत कम है। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, यूनिलीवर के सीईओ एलन जोप ने कहा, 'हमने इस तिमाही में एक मजबूत प्रदर्शन किया है। उत्पादों की मात्रा की अगुवाई में होने वाली वृद्धि, उपभोक्ता खंड, भौगोलिक और चैनलों के बदलते स्वरूप के जवाब में हमारे पोर्टफोलियो एवं हमारी गतिशीलता की जिजीविषा को प्रदर्शित करता है।' इससे पहले मंगलवार को यूनिलीवर की भारतीय सहायक कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के परिणामों की घोषणा की, जो मांग में सुधार के संकेत देते हुए उम्मीद से कहीं बेहतर शुद्ध मुनाफा एवं राजस्व में वृद्धि को दर्शाते हैं। कंपनी ने नियामकीय सूचना में कहा था कि जुलाई-सितंबर में एचयूएल का समेकित शुद्ध लाभ 8.6 प्रतिशत बढ़कर 1,974 करोड़ रुपये हो गया, जबकि उत्पादों की बिक्री से राजस्व 13.7 प्रतिशत बढ़कर 11,510 करोड़ रुपये हो गया। यूनिलीवर जनवरी-दिसंबर वित्तीय वर्ष का अनुसरण करता है, जबकि एचयूएल अप्रैल-मार्च वित्तीय चक्र का अनुसरण करता है।

पंजाब एंड सिंध बैंक ने आईएफआईएन को बताया धोखाधड़ी वाला खाता

नई दिल्ली: पंजाब एंड सिंध बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को सूचित किया है कि 561 करोड़ रुपए से अधिक के बकाए वाला आईएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएफआईएन) का खाता धोखाधड़ी वाला है। बैंक ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। बैंक ने शेयर बाजार से कहा है कि आईएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विसेज का यह खाता एनपीए खाता है। इस खाते में 561.13 करोड़ रुपए का बकाया है। इसे धोखाधड़ी के रूप में घोषित किया गया है और आरबीआई को विनियामक आवश्यकता के अनुसार इसकी सूचना दी गई है। इसमें आगे कहा गया है कि बैंक ने पहले से निर्धारित मानदंडों के अनुसार 100 प्रतिशत राशि का प्रावधान कर दिया है।

इन 4 कंपनियों को बेचकर 60 हजार करोड़ जुटाएगी सरकार

नई दिल्ली:

घरेलू शेयर बाजार में तेजी को देखते हुए सरकार नवंबर अंत तक 4 प्रमुख सरकारी उपक्रमों **(PSUs)** की बिडिंग प्रक्रिया को खत्म करने की योजना बना रही है। ये चार प्रमुख सरकारी उपक्रम **- BPCL,** शिपिंग कॉरपोरेशन **(SCI),** कंटेनर कॉरपोरेशन **(Concor)** और **BEML** है। हालांकि, इन कंपनियों की शेयर प्राइस में गिरावट देखने को मिल रही है। इस मामले से जुड़े दो वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया है कि सरकार इस मौके से चूकना नहीं चाहती है, क्योंकि बाजार में अस्थिरता की वजह से कीमतों और भी गिर सकती हैं। शुक्रवार तक इन लिस्टेड कंपनियों में सरकारी हिस्सेदारी की वैल्यू करीब 56,214 करोड़ रुपए है। एक मीडिया रिपोर्ट में इन अधिकारियों के हवाले से लिखा गया है कि उम्मीद की जा रही है कि **BPCL** और **Concor** में सरकार को बेहतर प्रीमियम दर मिलेगी क्योंकि इसमें बिजनेस के मौके हैं। साथ ही इन दोनों कंपनियों की परिसंपत्तियां भी इसकी एक वजह है। फरवरी मध्य की तुलना में **BPCL** के शेयरों को देखें तो यह करीब 26 फीसदी तक कम है। इसी प्रकार **Concor** 32 फीसदी नीचे, **BEML** 34 फीसदी नीचे और **SCI** 13 फीसदी नीचे है। ये शेयर्स अभी कोरोना काल के पहले स्तर पर नहीं पहुंचे हैं। जनवरी में सरकार की 53 फीसदी हिस्सेदारी की वैल्यू करीब 55,000 करोड़ रुपए पर थी लेकिन, मौजूदा बाजार पूंजीकरण के लिहाज से यह घटकर करीब 40,000 करोड़ रुपए के स्तर पर आ गई है। बता दें कि चालू वित्त वर्ष में **BPCL** की बिक्री करना सरकार के लिए जरूरी है ताकि 1.2 लाख करोड़ रुपए के विनिवेश लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

सरकार के लिए महत्वपूर्ण है विनिवेश के जरिए फंड जुटाना

निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग **(DIPAM)** इन कंपनियों के लिए बोली मंगाएगी। इसके पहले केंद्र सरकार ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट **(EoI)** मंगाने की डेडलाइन को 30 सितंबर से बढ़ाकर 16 नवंबर कर दिया था। चूंकि, मौजूदा समय में केंद्र सरकार अर्थव्यवस्था में पूंजी डालने के लिए कई विकल्पों की तलाश कर रही है, ऐसे में विनिवेश के जरिए फंड जुटाना महत्वपूर्ण हो जाता है।

बड़ी खबर: लॉकडाउन के दौरान दी है ईएमआई, तो बैंक से मिलेगा कैशबैक

बिजनेस डेस्क:

कोरोना काल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें छह महीनों के लिए लोन मोरेटोरियम की सुविधा दी थी। इस दौरान जो लोग वित्तीय रूप से ईएमआई का भुगतान करने में असमर्थ थे, उन्होंने इसका लाभ उठाया। वहीं कई लोगों ने मोरेटोरियम अवधि के दौरान भी नियमित रूप से किस्त चुकाई है। अगर आपने भी इस दौरान किस्तों का भुगतान किया है, तो यह खबर आपके लिए जरूरी है। जिन ग्राहकों ने मोरेटोरियम का लाभ नहीं उठाया, उन्हें बैंक से कैशबैक मिलेगा।

क्या है मामला?

ब्याज पर ब्याज मामले को लेकर केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अपने फैसले के बारे में पूरी जानकारी दी, जिसमें कैशबैक की भी बात कही गई थी। दरअसल, मोरेटोरियम अवधि के ईएमआई के भुगतान को लेकर कई सवाल उठे हैं। सुप्रीम कोर्ट में ब्याज पर ब्याज का मामला पहुंचा। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिए हलफनामे में कहा कि वह मोरेटोरियम अवधि (मार्च से अगस्त तक) के दौरान ब्याज पर ब्याज को माफ करने के लिए तैयार हो गई है।

इनको मिलेगी सुविधा

2 करोड़ रुपए तक के ऋण वाले छोटे व्यवसायों और व्यक्तिगत उधारकर्ताओं को यह भुगतान किया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को सभी आरबीआई-विनियमित ऋणदाताओं को कहा कि अगर किसी उधारकर्ता ने मोरेटोरियम का लाभ नहीं उठाया और किस्त का भुगतान समय पर किया है, तो बैंक से उन्हें कैशबैक मिलेगा। इस स्कीम के तहत कर्जदारों को छह महीने के सिंपल लोन इंट्रेस्ट में डिफरेंस का लाभ मिलेगा। ऋणदाताओं में बैंक, सहकारी बैंक, हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां और माइक्रोफाइनेंस संस्थान शामिल हैं। जिन कर्जदारों के ऊपर 29 फरवरी 2020 तक कुल ऋण दो करोड़ रुपये से अधिक नहीं था, वे योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र होंगे। इस योजना के तहत आवास ऋण, शिक्षा ऋण, क्रेडिट कार्ड बकाया, वाहन कर्ज और स्वस्थ्य के लिए लिया गया कर्ज और खपत के लिए लिया ऋण कवर होगा। सरकार के सूत्रों ने ब्याज की माफी की लागत करीब 6,500 करोड़ रुपए आंकी थी।

रेल विकास निगम में 15 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचेगी सरकार

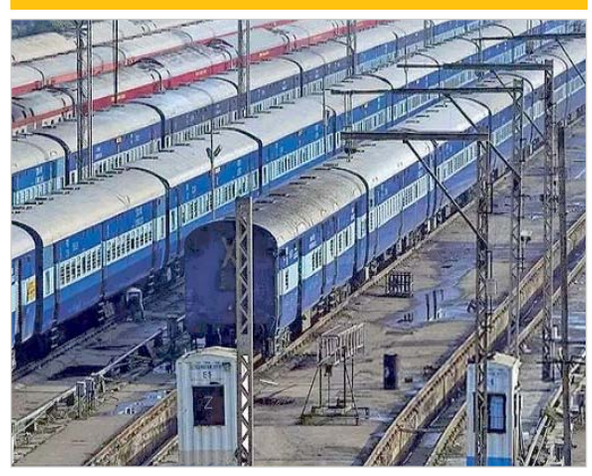

नई दिल्ली।

सरकार रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) में 15 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। इस शेयर बिक्री पेशकश को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने के लिये सरकार ने मर्चेंट बैंकर से आवेदन आमंत्रित किए हैं। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर आवेदन मंगाए हैं। अधिसूचना के मुताबिक, 'सरकार की मंशा आरवीएनएल के चुकता पूंजी वाले शेयरों में अपनी 87.84 प्रतिशत शेयरधारिता में से 15 प्रतिशत हिस्से का विनिवेश करने की है। शेयरों की यह बिक्री शेयर बाजारों में बिक्री पेशकश के जरिये की जायेगी।'

तीन मर्चेंट बैंकरों की नियुक्ति- सरकार

इसके प्रबंधन के लिए सरकार तीन मर्चेंट बैंकरों की नियुक्ति करेगी। मर्चेंट बैंकर को समय पर सरकार को परामर्श देने और बिक्री पेशकश के लिए प्रक्रियाएं तय करने की जिम्मेदारी उठानी होगी, ताकि सरकार को सबसे अच्छा रिटर्न मिले।

इसके अलावा उसे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोडशो, बाजार सर्वेक्षण और निवेशकों के साथ बैठक करनी होगी। बीएसई पर आरवीएनएल का शेयर शुक्रवार को 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18.80 रुपये पर बंद हुआ। मौजूदा दर पर 15 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री से सरकारी खजाने में 580 करोड़ रुपये आएंगे।

आईएलएंडएफएस सितंबर तिमाही में कर्ज समाधान के लक्ष्य से 7,300 करोड़ रुपये पीछे रही

मुंबई.

कर्ज में फंसी कंपनी इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएलएंडएफएस) समूह चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में महज 1,460 करोड़ रुपये के ऋण का समाधान कर सकी है। इस तरह कंपनी दूसरी तिमाही में लक्ष्य से 7,300 करोड़ रुपये पीछे रह गयी है। कंपनी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी को दूसरी तिमाही में करीब 8,800 करोड़ रुपये के ऋण का समाधान करना था। कंपनी के ऊपर अक्टूबर 2018 के आंकड़ों के अनुसार, 99 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज बकाया है। हालांकि दूसरी तिमाही में लक्ष्य से चूकने के बाद भी कंपनी ने कुल बकाया के 50 फीसदी का समाधान करने का लक्ष्य बरकरार रखा है। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''पिछली बार की जानकारी की तुलना में सितंबर 2020 तक के लक्ष्य में 7,300 करोड़ रुपये की कमी को अगली तिमाहियों में हासिल करने का लक्ष्य तय किया जा रहा है। उसने कहा, ''लक्ष्य पाने में देरी मुख्य रूप से कोविड-19 के असर के कारण हुई है, जिसके कारण संबंधित पक्षों के साथ बातचीत की प्रक्रिया पूरी करने में समय व आने-जाने संबंधी जटिलताएं आयीं। इसके अलावा कर्जदाताओं, नियामकों और न्यायिक प्राधिकरणों से मंजूरियां पाने में भी देरी हुई।'' कंपनी ने कहा कि दूसरी तिमाही में 7,300 करोड़ रुपये की कमी में से तीसरी तिमाही में 4,200 करोड़ रुपये और चौथी तिमाही में 3,100 करोड़ रुपये के समाधान का लक्ष्य पा लिया जायेगा। कंपनी ने जुलाई में कहा था कि वह मार्च 2021 तक करीब 50,500 करोड़ रुपये के कर्ज का समाधान कर लेगी। इसके अलावा कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 के बाद अतिरिक्त 6,500 करोड़ रुपये के कर्ज का समाधान निकालने की योजना तय की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला बिग बैश लीग में नस्लवाद का विरोध करेंगी खिलाड़ी

सिडनी। विश्व की सबसे बड़े महिला टी20 टूर्नामेंट-महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) की आगामी सीजन में खिलाड़ी नस्लवाद का विरोध करती हुई दिखाई देंगी। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू की रिपोर्ट में शनिवार को इसकी जानकारी दी गई। वेस्टइंडीज की पुरुष टीम ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर घुटने के बल बैठकर नस्लवाद का विरोध किया था। इसमें इंग्लैंड के खिलाड़ी भी शामिल हुए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि डब्ल्यूबीबीएल में खिलाड़ी नंगे पैर घेरा बनाकर नस्लवाद का विरोध करेंगी। रिपोर्ट के अनुसार, लीग के स्वदेशी खिलाड़ियों और उसके कप्तानों के बीच सामंजस्य स्थापित करने और नस्लवाद के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता दोहराने के लिए रविवार को प्रत्येक मैच से पहले नंगे पैर एक सर्कल का प्रदर्शन किया जाएगा। रविवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में 59 मैच खेले जाएंगे और सभी मैच सिडनी में होंगे।

आईपीएल-13 : कोहली की नजरें 16 अंकों पर, चेन्नई लड़ेगी आत्म सम्मान की लड़ाई

दुबई।

प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी चेन्नई सुपर किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन के मैच में दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में रविवार को बेहतरीन फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के सामने होगी। चेन्नई इस सीजन अंकतालिका में आठवें स्थान पर है। 11 मैचों में उसे सिर्फ तीन जीत मिली हैं और अगर वह अपने बाकी के बचे तीनों मैच जीत भी जाती है तो उसे प्लेऑफ में जाने के लिए दूसरी टीमों के आंकड़ो के भरोसे बैठना होगा। इन दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मैच में बेंगलोर ने जीत हासिल की थी। चेन्नई इस मैच में हिसाब बराबर करने की फॉर्म में लग नहीं रही है। चेन्नई के लिए यह लीग अब बस आत्म सम्मान की लड़ाई और बेहतर विदाई पाने के लड़ाई ही रह गई है। मुंबई के खिलाफ हुए पिछले मैच में चेन्नई आईपीएल में सबसे कम स्कोर का रिकार्ड अपने खाते में डालने के बेहद करीब थी, लेकिन सैम कुरैन की पारी ने उसे बचा लिया। मैच के बाद कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने ऐसे संकेत दिए थे कि आने वाले मैचों मे कुछ युवा खिलाड़ियों को वह आजमा सकते हैं। ऐसे में कुछ नए चेहरे चैन्नई की टीम में देखे जा सकते हैं। अब धोनी किसको बाहर करते हैं यह देखना होगा। टीम की बल्लेबाजी में इसकी संभावना ज्यादा लगती है क्योंकि इस सीजन टीम के बल्लेबाजों ने तीन बार की विजेता को एकाध मौकों पर छोड़कर सिर्फ निराश ही किया है। गेंदबाजी में भी बदलाव हो सकते हैं। केएम आसिफ ने पिछले सीजन कुछ मैचों में कमाल किया था। वह अभी तक इस सीजन नहीं खेले हैं और उम्मीद की जा सकती है कि वह इस मैच में उतरेंगें। वहीं बेंगलोर के लिए यह मैच प्लेऑफ के दरवाजे खोल सकता है। अभी बेंगलोर 10 मैचों में सात जीत और तीन हार के साथ 14 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। इस मैच को जीत उसे दो अंक मिलेंगे और वह 16 अंकों के साथ प्लेऑफ में जगह बना लेगी। टीम के कप्तान विराट कोहली इस मैच की अहमियत को जानते हैं और इसी कारण वह किसी तरह का जोखिम नहीं उठाएंगें। कोहली की कोशिश होगी कि वह अपनी सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन के साथ मैदान पर उतरें। कोहली की टीम के लिए यह सीजन शानदार रहा है। देवदत्त पडिकल जैसा युवा और एरॉन फिंच जैसा अनुभवी बल्लेबाज उनकी सलामी जोड़ी में शामिल हैं। खुद कोहली और फिर अब्राहम डिविलियर्स भी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं। क्रिस मौरिस के रूप में कोहली के पास एक अच्छा फिनिशर भी मौजूद है। शिवम दुबे और वॉशिंगटन सुंदर भी बल्ले से योगदान देने का दम रखते हैं। हालांकि बेंगलोर को सतर्क रहना होगा क्योंकि चैन्नई की फॉर्म बेशक खराब हो लेकिन अब उसके पास खोने को कुछ नहीं है इसलिए वह खुलकर क्रिकेट खेलेगी जो बेंगलोर की राह में बाधा डाल सकता है। बेंगलोर की गेंदबाजी ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले मैच में बता ही दिया था कि वह किस फॉर्म में है। नवदीप सैनी, मौरिस और इसुरु उदाना की तिगड़ी तेज गेंदबाजी में कमाल कर ही है।

टोक्यो तैराकी और गोताखोरी सेंटर का अनावरण

टोक्यो ।

जापान में ओलंपिक तैराकी एवं गोताखोरी प्रतियोगिताओं के आयोजन स्थल टोक्यो तैराकी एवं गोताखोरी सेंटर का शनिवार को यहां अनावरण हुआ। इस सेंटर के निर्माण में आठ महीने का समय लगा है और इसमें इसकी दर्शक क्षमता 13,000 दर्शकों की है। टोक्यो तैराकी सेंटर के अनवारण के दौरान भव्य समारोह का आयोजन हुआ और इस अवसर पर टोक्यो की गर्वनर यूरिको कोइके, ओलंपिक मंत्री सेइको हाशिमोतो और जापानी ओलंपिक समिति के अध्यक्ष यासुहिरो यामाशिता मौजूद रहे। टोक्यो तैराकी सेंटर आठ नये निर्मित स्थायी केंद्रों में से एक है और इसका अनावरण इन आठ नए निर्मित खेल स्थलों के आखिरी में हुआ है। यह सिटी सेंटर से करीब सात किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस केंद्र का निर्माण फरवरी में पूरा हो गया था और मार्च में इसका अनावरण होने वाला था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इस कार्य में देरी हो गई। टोक्यो की गर्वनर कोइके ने कहा कि शहर में अगले वर्ष अधिक संख्या में खिलाड़ियों और दर्शकों के आने की उम्मीद है क्योंकि जापान में कोविड-19 की स्थिति स्थिर है।

साई ने सोनीपत में राष्ट्रीय टेटे अभ्यास शिविर को मंजूरी दी

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने सोनीपत में 28 अक्टूबर से आठ दिसंबर तक आयोजित होने वाले टेबल टेनिस राष्ट्रीय अभ्यास शिविर को अपनी मंजूरी दे दी है। साई ने एक बयान में बताया कि सोनीपत के दिल्ली पब्लिक स्कूल में भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) द्वारा आयोजित होने वाली शिविर में 11 खिलाड़ी (पांच पुरुष और छह महिला) और चारी स्पोर्ट स्टाफ भी भाग लेंगे। साई ने इस शिविर के लिए 18 लाख रुपये मंजूर किए हैं। इस साल मार्च में कोविड-19 प्रकोप के कारण देशभर में लगे लॉकडाउन के बाद इस खेल का पहला राष्ट्रीय शिविर होगा। चार बार के कॉमनवेल्थ स्वर्ण पदक विजेता अचंता शरत कमल पुरुषों के प्रशिक्षण समूह का हिस्सा होंगे जिसमें मानुष शाह, मानव ठक्कर, सुधांशु ग्रोवर और जुबिन कुमार भी शामिल हैं। महिलाओं के प्रशिक्षण समूह में अनुशा कुटुम्बले, दिया चितले, सुर्तिथा मुखर्जी, अर्चना कामत, ताकेमी सरकार और कौशानी नाथ शामिल है।

कपिल देव ने सलामती की दुआ करने वालों का अभार जताया

नई दिल्ली।

भारत के पहले विश्व कप विजेता क्रिकेट कप्तान कपिल देव की सफल आपातकालीन कोरोनरी एंजियोप्लास्टी हुई है। सर्जरी के बाद कपिल ने पहली तस्वीर साझा की है, जिसमें उन्होंने कहा है कि वह बिल्कुल ठीक हैं और धीरे-धीरे स्वस्थ्य हो रहे हैं। कपिल ने सोशल मीडिया पर एक फोटो भी पोस्ट की है, जिसमें वह अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए हैं और दोनों हाथों के अंगूठे को ऊपर उठाकर इशारा कर रहे हैं कि सबकुछ ठीक है। फोटो में कपिल की बेटी आमिया भी उनके बगल में बैठी हुई हैं। फिलहाल कपिल आईसीयू में हैं और डॉ. अतुल माथुर और उनकी टीम की निगरानी में हैं। कपिल को कुछ दिनों में अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। कपिल ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं अच्छा हूं और अब अच्छा महसूस कर रहा हूं। तेजी से स्वस्थ्य होने के रास्ते पर हूं। गोल्फ खेलने का इंतजार नहीं कर पा रहा। आप लोग मेरा परिवार हो। धन्यवाद। कपिल देव की शुक्रवार को यहां दक्षिणी दिल्ली के फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल में सफल आपातकालीन कोरोनरी एंजियोप्लास्टी हुई।अस्पताल ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि 61 साल के कपिल को गुरुवार रात दिल का दौरा पड़ने के बाद भर्ती कराया गया था। अस्पताल ने आगे बताया कि कपिल की हालत स्थिर है और अगले कुछ दिनों में उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल के कार्डियलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. अतुल माथुर के अनुसार कपिल को देर रात 1 बजे भर्ती कराया गया था, जहां बाद में उनकी इमर्जेंसी कोरोनरी एंजियोप्लास्टी की गई। अस्पताल ने एक बयान में कहा था, पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान कपिल देव को सीने में दर्द की शिकायत के बाद दिल्ली के ओखला में फोर्टिस अस्पताल में गुरुवार देर रात 1 बजे भर्ती कराया गया था। बाद में डॉ. अतुल माथुर की निगरानी में उनकी इमर्जेंसी एंजियोप्लास्टी

की गई। बयान में आगे कहा गया है कि फिलहाल कपिल आईसीयू में हैं और डॉ. अतुल माथुर और उनकी टीम की निगरानी में हैं। किसी समय टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम रखने वाले कपिल देव ने 1994 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वह छह साल तक सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हुए थे। उनके बाद इंग्लैंड के कॉर्टनी वाल्श ने उनका रिकॉर्ड तोड़ा था। कपिल देव की कप्तानी में ही भारत ने 1983 में पहली बार विश्व कप जीता था।

संक्षिप्त समाचार

राणा ने अपने ससुर को अर्धशतक लगा दी श्रद्धांजलि

अबू धाबी।

कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज नीतीश राणा ने शनिवार को शेख जाएद स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार अर्धशतक जमा अपने ससुर को श्रद्धांजलि दी है। राणा ने इस मैच में सुरिंदर नाम की जर्सी पहनी और उस पर 63 नंबर लिखवाया। कोलकाता ने ट्वीट किया, नीतीश राणा की तरफ से अपने ससुर को श्रद्धांजलि। उनका कल देहांत हो गया था। सुरिंदर मारवाह की आत्मा को शांति मिले। राणा ने अहम समय पर सुनील नरेन के साथ 115 रनों की साझेदारी कर कोलकाता को दिल्ली के खिलाफ 20 ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर 194 रनों का स्कोर प्रदान किया। राणा ने 53 गेंदों पर 81 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 13 चौके और एक छक्का मारा।

कुछ विकेट के बावजूद संतुष्ट हैं कमिंस

नई दिल्ली।

कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने आईपीएल-13 के पिछले 10 मैचों में केवल तीन ही विकेट लिए हैं और इसके बावजूद वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। कमिंस आईपीएल इतिहास के अब तक सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। कोलकाता ने उन्हें 15.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। कमिंस ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, मैं अपनी लय में महसूस करता हूं और अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूं। मैंने केवल विकेट नहीं लिए हैं, जोकि इस प्रारुप में हो सकता है। उन्होंने कहा, कभी कभी आप अच्छी गेंदबाजी करते हैं और एक भी विकेट नहीं ले पाते हैं। लेकिन दूसरे दिन आप खराब गेंदबाजी करते हैं और तीन-चार विकेट हासिल कर लेते हैं। कमिंस ने हालांकि स्वीकार किया कि उनके प्रदर्शन में अब भी निरंतरता का अभाव है। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि मैं अब भी मैच में पूरा प्रदर्शन नहीं कर पाता हूं। प्रत्येक मैच में कई ऐसे गेंदें होती हैं, जिसपर आप विकेट चाहते हैं। कमिंस ने कहा, लेकिन प्रत्येक मैच में मुझे ऐसा लगता है कि मैं थोड़ा बेहतर हो रहा हूं और मैं इससे खुश हूं।

शुरुआती स्विंग के कारण कप्तान कोहली, पोलार्ड ने बदली रणनीति

शारजाह।

यूएई में खेले जा रहे आईपीएल-13 के मैचों की विकेट कप्तानों को मैच से पहले की उनकी प्लानिंग को बदलने के लिए मजबूर कर रही है। जैसे टूर्नामेंट अपनी समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, वैसे वैसे कप्तानें तेज गेंदबाजों के साथ जा रहे हैं, जो बीच के और आखिर के ओवरों के बजाय शुरुआत में ही विकेट दिला रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने 12 अक्टूबर को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान क्रिस मॉरिस के पहले ओवर के तुंरत बाद अपनी रणनीति बदल दी थी और उन्होंने आफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर की जगह तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को नई गेंद थमाई थी। इसके बाद शुक्रवार को मुंबई इंडियंस के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने भी चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ यही किया। चेन्नई के खिलाफ मैच में पहले ही ओवर में ट्रेंट बाउल्ट को स्विंग मिल रही थी और पोलार्ड ने इसके बाद स्पिनर को लाने के बजाय जसप्रीत बुमराह को गेंदबाजी थमा दी। बाउल्ट ने चेन्नई के खिलाफ कमाल की गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 18 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। बाउल्ट के अलावा बुमराह ने 25 रन देकर दो विकेट लिए और पहले छह ओवर के पॉवरप्ले में चेन्नई के 24 रन पर पांच विकेट आउट कर दिए। पोलार्ड ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम शुरुआत में ही जसप्रीत बुमराह का इस्तेमाल नहीं करना चाहते थे। लेकिन ट्रेंट बाउल्ट द्वारा शुरुआत में विकेट लेने और उन्हें स्विंग मिलने के बाद हमने बुमराह से गेंदबाजी कराने का फैसला किया और यह हमारे लिए कारगर रहा। पिछले कुछ वर्षो से अंबाती रायडू ने हमारे खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की है। लेकिन दोनों गेंदबाजों ने हमारे लिए अच्छी गेंदबाजी की।

शुरुआत में विकेट लेना महत्वपूर्ण था : बाउल्ट

शारजाह।

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज ट्रेंट बाउल्ट ने कहा है कि वह चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में स्पष्ट सोच के साथ गए थे। बाउल्ट ने शुक्रवार को चेन्नई के खिलाफ कमाल की गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 18 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। उनकी शानदार गेंदबाजी के चलते ही मुंबई ने चेन्नई को 20 ओवरों में नौ विकेट पर 114 रनों पर रोक दिया और 10 विकेटों से मैच जीत ली। बाउल्ट ने मैच के बाद जसप्रीत बुमराह के साथ बातचीत के दौरान कहा, शारजाह में कुछ बड़े स्कोर बने हैं। मैं केवल खुले दिमाग से गेंदबाजी करना चाहता था। हमने कुछ खिलाड़ियों को लेकर प्लानिंग की थी। कुल मिलाकर यह एक अच्छा दिन रहा। उन्होंने कहा, दोनों छोर से विकेट प्राप्त करना अच्छा था। इस प्रारुप में शुरुआत में ही विकेट लेने का महत्व हम सब जानते हैं। कभी कभी हम ऐसा नहीं कर पाते हैं, लेकिन टीम के लिए अच्छी शुरुआत करना शानदार था। बाउल्ट के अलावा बुमराह ने 25 रन देकर दो विकेट लिए और पहले छह ओवर के पॉवरप्ले में चेन्नई के 24 रन पर पांच विकेट आउट कर दिए।

मुम्बई सिटी एफसी ने मेहताब सिंह के साथ किया करार

मुम्बई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम मुम्बई सिटी एफसी ने लीग के आगामी सातवें सीजन से पहले डिफेंडर मेहताब सिंह के साथ करार करने की घोषणा की है। 22 वर्षीय मेहताब तीन साल के लिए मुम्बई सिट से जुड़े हैं और अब वह 2023 तक इस क्लब के साथ बने रहेंगे। मेहताब ने मुम्बई सिटी से जुड़ने के बाद कहा, मुम्बई सिटी जैसे बड़े क्लब का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मैं यहां कड़ी मेहनत, सीखने और सबसे महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धा करने के लिए हूं। क्लब, कोच और उनकी एक ही इच्छा और लक्ष्य है। वह (लक्ष्य) देश में सर्वश्रेष्ठ बनना और ट्राफी जीतना है। मेहताब इससे पहले माहिलपुर फुटबाल अकादमी और फिर ईस्ट बंगाल के युवा और सीनियर टीम के साथ थे। वह कोलकाता की टीम के साथ तीन सत्र तक रहने के बाद 2018-19 में गोकुलम केरला में लोन पर भी रहे थे।

अंकतालिका में हम सबसे नीचे रहने के ही हकदार : फ्लेमिंग

शारजाह।

चेन्नई सुपर किंग्स के कोच स्टीफन फ्लेमिंग कहा है कि मुंबई इंडियंस के हाथों मिली 10 विकेट की हार के बाद टीम में काफी निराशा है लेकिन टीम इस सीजन में जिस तरह खेली है, उससे वह तालिका में सबसे नीचे रहने की ही हकदार है। मुंबई इंडियंस ने शुक्रवार को आईपीएल-13 में तीन बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स को 10 विकेट से हरा दिया। यह चेन्नई की आईपीएल इतिहास में पहली 10 विकेट से हार है। फ्लेमिंग ने मैच के बाद कहा कि मुंबई इंडियंस से मिली हार पूरे सीजन का लक्षण था जोकि पूरी तरह से गलत है। उन्होंने कहा कि चेन्नई अंक तालिका में सबसे नीचे रहने के ही हकदार है। फ्लेमिंग ने कहा, यह एक बेहद निराशाजनक और हैरान करने वाला सीजन है। बहुत सारी चीजें करने की कोशिश की गई थी लेकिन हम एकजुट होकर सही प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने कहा, सीजन की शुरूआत से पहले एक खिलाड़ी को खोना, एक से अधिक ओवर होना या कई विकेट गंवाना। यह एक टीम से हो सकता है।

हमारे पास व्यक्तिगत संख्या नहीं है और इसलिए अंक तालिका में हमारा स्थान शायद सही है। चेन्नई ने पहले छह ओवर के पॉवरप्ले में 24 रन पर पांच विकेट गंवा दिए, जोकि आईपीएल इतिहास में उसने पहली बार पॉवरप्ले में पांच विकेट गंवाए हैं। कोच ने कहा, ये अब तक का सबसे खराब पावरप्ले था। इतनी जल्दी विकेट गंवाने से मैच हमारे लिए पावरप्ले में ही खत्म हो गया था। इस तरह की बल्लेबाजी देखना काफी कठिन था। हमारी टीम में कुछ युवा खिलाड़ी थे जिनके पास खुद को साबित करने का मौका था लेकिन वो काम नहीं आया। चेन्नई के लिए आईपीएल का 13वां सीजन काफी निशाराजनक रहा है। टीम 11 में से केवल तीन मैच ही जीत सकी है और अब वह प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर हो चुकी है।

कोहली तीनों प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ : रूट

नई दिल्ली। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान जोए रूट का कहना है कि भारतीय कप्तान विराट कोहली तीनों प्रारूपों में सम्पूर्ण क्रिकेटर हैं। रूट ने कहा कि वह खुद को आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन के बीच टॉप बल्लेबाज नहीं मानते हैं। क्रिकइंफो ने रूट के हवाले से कहा, मैं खुद को अन्य खिलाड़ियों के साथ आंकने की कोशिश नहीं करता हूं। लेकिन मैं तीनों प्रारूपों में विभिन्न प्रकार की पारियों के बारे में बहुत कुछ देखता हूं। आप तीन सबसे महान खिलाड़ियों को देख रहे हैं। उन्होंने कहा, विराट संभवतः तीनों प्रारूपों में से सबसे पूर्ण खिलाड़ी हैं। सीमित ओवरों के प्रारूप में लक्ष्य का पीछा करने और उसे गति देने के साथ-साथ वह जितनी बार वह करते हैं, और अंत में आउट नहीं होते है वह असाधारण है। वह के सभी प्रारुप में अच्छे हैं। लेकिन आप यह नहीं कहेंगे कि वह स्पिन या तेज गेंदबाज के खिलाफ कमजोर हैं। रूट ने साथ ही कहा कि कोहली ने अपनी पहले की गलतियों से काफी कुछ सीखा है और बतौर कप्तान उन्होंने दबाव को अच्छे से झेला है। उन्होंने कहा, उन्होंने अपने पहले इंग्लैंड दौरे पर काफी संघर्ष किया था, लेकिन जब वह वापस आए तो उन्होंने अच्छा स्कोर किया। यही बात विश्व के अन्य स्थानों पर भी है। उन्होंने भारत की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठा रखी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इनसाइडर-आउसाइडर पर सनी लियोनी ने तोड़ी चुप्पी

हिंदुस्तान अमेरिका से बहुत बेहतर

सनी लियोनी ने अपनी खूबसूरती और टैलंट से भारत और बॉलिवुड के लाखों लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। एक आउटसाइडर होने के बावजूद सनी लियोनी ने कहा कि वह अपना रास्ता बनाने में सक्षम हुई हैं और सभी ने उनके प्रति बहुत अच्छा रवैया अपनाया है। इनसाइडर और आउटसाइडर पर चुप्पी तोड़ते हुए सनी लियोनी ने कहा कि भारत के लोग अमेरिका से बहुत बेहतर हैं और वह किसी आउटसाइडर की तरह महसूस नहीं करती हैं।

सनी लियोनी बोलीं- भारत में बहुत काम है

सनी लियोनी ने एक न्यूज पोर्टल से बात करते हुए कथित तौर पर कहा कि जब उन्होंने 8 साल अपनी जर्नी शुरू की थी तब से चीजें बहुत अलग हैं। आउटसाइडर हो या इनसाइडर हो, भारत में बहुत काम है और आप अपना रास्ता बना सकते हैं। ऐक्ट्रेस ने कहा कि हर कोई उनके प्रति बहुत दयालु रहा है।

सनी लियोनी ने कहा- आउटसाइडर की तरह महसूस नहीं करती

सनी लियोनी ने आगे कहा कि वह भारत में एक आउटसाइडर हैं लेकिन उन्होंने जीवन में अपने निर्णय खुद लिए और लोगों को समझने में बहुत समय लगा। सनी लियोनी ने यह भी कहा कि वह अब किसी आउटसाइडर की तरह महसूस नहीं करती हैं। यहां के लोग और समाज अमेरिका से बिल्कुल अलग है।

वेब सीरीज 'बुलेट्स' में नजर आएंगी सनी लियोनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो सनी लियोनी वेब सीरीज 'बुलेट्स' में करिश्मा तन्ना के साथ नजर आएंगी। हाल में सीरीज का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला। इसका निर्देशन देवांग ढोलकिया ने किया है और यह एमएक्स प्लेयर पर रिलीज होगी।

दुर्गा पूजा के लिए मोनालिसा ने पहनी यलो कलर की साड़ी

भोजपुरी फिल्मों की क्वीन मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। मोनालिसा अपनी एक से बढ़कर एक तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती हैं। मोनालिसा का हर अंदाज फैंस को खूब पसंद आता है। हाल ही में मोनालिसा के नवरात्रि के मौके पर अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं।

इन तस्वीरों में मोनालिसा मां दुर्गा की भक्ति में डूबी दिखाई दे रही हैं। मोनालिसा यलो कलर की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा, षष्ठी पूजा के लिए तैयार। मां दुर्गा को कात्यायनी के रूप में पूजा जाता है... पीला रंग खुशी और उत्साह का प्रतीक है।

बता दें कि मोनालिसा भोजपुरी फिल्मों के साथ ही हिन्दी, बंगाली, उड़िया और साउथ की फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।छोटे पर्दे पर मोनालिसा बिग बॉस, नच बलिए, नजर और नजर 2 में काम कर चुकी हैं।

जोरदार वापसी को तैयार शाहरुख खान, इस फिल्म में निभाएंगे डबल रोल!

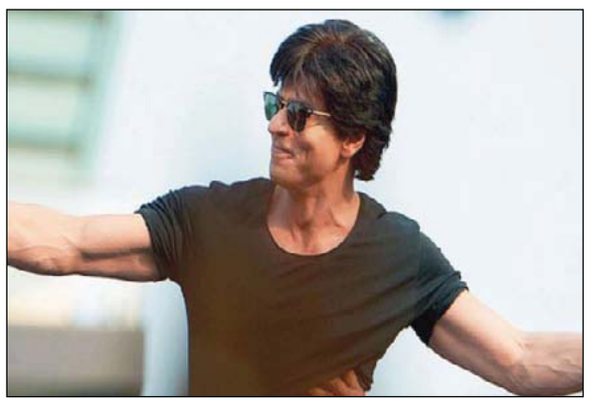

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान 2 साल के लंबे अंतराल के बाद आखिरकार फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। किंग खान नवंबर में यशराज बैनर की फिल्म 'पठान' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। खबरें ये भी हैं कि बॉलीवुड के बादशाह ने एक नहीं बल्कि तीन फिल्में साइन कर ली हैं। कहा जा रहा है कि एक्टर 'पठान' के अलावा राजुकमार हिरानी और साउथ फिल्ममेकर एटली के साथ भी फिल्में करने जा रहे हैं। अब, एटली की फिल्म को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है।

एक न्यूज पोर्टल के मुताबिक, एटली की फिल्म में शाहरुख खान डबल रोल में दिखेंगे। 'डुप्लीकेट' और 'डॉन' के बाद शाहरुख तीसरी बार डबल रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म में शाहरुख बाप और बेटे दोनों का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म में पिता एक सीनियर रॉ एजेंट हैं, जबकि बेटा एक गैंगस्टर। फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि शाहरुख खान के मेकअप पर काफी जोर दिया जाएगा। उन्हें पिता के किरदार में दिखाने के लिए प्रोस्थेटिक का इस्तेमाल होगा।

फिलहाल एटली, करण जौहर की लेखकों की टीम के साथ स्क्रिप्ट पर काम कर रहे थे। बता दें, एटली ने 'बिगिल', 'मेर्सल', 'थेरी' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई हैं, जिनमें लीड एक्टर्स ने या तो डबल रोल निभाया है या ट्रिपल रोल।

बाहुबली फेम राम्या कृष्णन ने की कंगना की तारीफ, कहा- मैं असल मायने में कंगना को क्वीन मानती हूं

एक्ट्रेस राम्या कृष्णन ने दक्षिण फिल्मों के सिवा बॉलीवुड में भी कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। राम्या कृष्णन को बड़े स्तर पर लोगों ने फिल्म बाहुबली से पहचाना। फिल्म बाहुबली में राम्या कृष्णन ने बाहुबली की मां शिवगामी देवी का किरदार निभाया था। फिल्म में शिवगामी देवी की मुख्य भूमिका थी। इस किरदार ने करियर की बुलंदियों पर जाने वाली राम्या कृष्णन ने एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हुई तमिलनाडु की सीएम जे जयललिता की बायोपिक में भी जे जयललिता का किरदार निभाया। किरदार के लिए आलोचकों ने राम्या कृष्णन की काफी तारीफ की।

ओटीटी के अलावा तमिलनाडु की सीएम जे जयललिता की जिंदगी पर फिल्म थलाइवी बन रही है, जिसमें कंगना रनौत सीएम का किरदार निभा रही है। फिल्म काफी चर्चा में रही है क्योंकि इस फिल्म के लिए कंगना ने 25 करोड़ की फीस ली है। कंगना अपनी बेबाकी के लिए भी काफी मशहूर हैं। हाल ही में कंगना ने अकेले महाराष्ट्र सरकार से पंगा ले लिया था। शिव सेना के समर्थकों ने कंगना को जान से मारने की भी धमकी दी थी जिसके बाद केंद्र सरकार ने कंगना को वाई प्लस सुरक्षा प्रदान की थी। कंगना ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत का जिम्मेदार बॉलीवुड में कब्जा करके बैठे मूवी माफिया को ठहराया था। सुशांत की मौत को कंगना ने हत्या कहा था।

कंगना द्वारा सरकार के खिलाफ दिए जा रहे बयानों के बाद शिवसेना सरकार ने उनके घर पर एक नोटिस के बाद बीएमसी का बुल्डोजर भी चलवा दिया था, जिसके बाद कंगना ने उद्धव सरकार को खुली चेतावनी दी और कोर्ट का गेट खटखटाया। सोशल मीडिया पर कंगना को लोगों ने काफी सपोर्ट किया।

हाल ही में अभिनेत्री राम्या कृष्णन से पूछा गया कि वह कंगना रनौत के बारे में क्या सोचती? राम्या ने कहा था कि, ' कंगना एक भोली, अद्भुत और आत्म-निर्मित महिला है। मैं वास्तव में उनकी प्रशंसक हूं और वह एक वास्तविक रानी है।'

कंगना लॉकडाउन से पहले चेन्नई में विजय निर्देशन की फिल्म थलाइवी की शूटिंग कर रही थीं। अपनी भूमिका में फिट होने के लिए, उन्होंने न केवल तमिल और भरतनाट्यम सीखा, बल्कि उन्होने अपना वजन बढ़ाया और घटाया भी। कंगना ने हमें पहले बताया था, 'मेरी निजी पसंद के अलावा, यह बहुत ही असाधारण जीवन था जो वह जी रही थी।

अभिनेत्री राम्या कृष्णन कंगना की काफी तारीफ कर रही थी इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि वह शूटर दादियों पर बनाई गयी फिल्म सांड की आंख जैसी फिल्मों के लिए काफी फिर थी लेकिन उन्हें फिल्म में नहीं लिया गया। फिल्म सांड की आंख 60 के दशक में चैंपियनशिप में जीतने वाले शार्पशूटर चंद्रो और प्रकाश तोमर के जीवन से प्रभावित फिल्म थी।

ड्रग्स मामले में एनसीबी की पूछताछ के बाद पहली बार दीपिका पादुकोण ने शेयर किया ये पोस्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को हाल ही में एनसीबी की तरफ से ड्रग्स केस में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। दीपिका पादुकोण की ड्रग्स को लेकर कुछ चैट सामने आयी थी जिसमें वह 'माल' और 'हैश' की बात कर रही थी। इस चैट के बाद एनसीबी ने दीपिका पादुकोण को समन भेजा था। ड्रग्स केस में नाम आने के बाद से दीपिका ने कोई भी पोस्ट सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं की है। अभिनेता प्रभास के जन्मदिन पर उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम पर प्रभास की एक तस्वीर शेयर करके उन्हें जन्मदिन विश किया है। दीपिका पादुकोण बाहुबली स्टार प्रभास को उनके 41 वें जन्मदिन की शुभकामना दी है। प्रभास और दीपिका पादुकोण निर्देशक नाग अश्विन की आगामी फिल्म में एक दूसरे के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे। साइंस-फाई फ्लिक होने के कारण, फिल्म में अमिताभ बच्चन की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रभास अपनी आगामी फिल्म राधे श्याम के कलाकारों और चालक दल के साथ इटली में अपना 41 वां जन्मदिन मना रहे हैं। दीपिका पादुकोण ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामना देने के लिए प्रभास की एक तस्वीर साझा की। यह उनका मनमोहक नोट है जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रभास की एक तस्वीर को साझा करते हुए, दीपिका ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे डियरेस्ट प्रभास। आपको शुभकामनाएं और खुशी हमेशा मिले। आशा है कि आपके पास एक शानदार वर्ष है!

कुछ महीने पहले, निर्देशक नाग अश्विन ने प्रभास और दीपिका पादुकोण के साथ अपनी अगली फिल्म की घोषणा की थी। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित, इस फिल्म को एक विज्ञान-फाई फिल्म के रूप में रखा गया है। जुलाई में फिल्म की घोषणा करते हुए, प्रोडक्शन हाउस ने दीपिका का स्वागत किया। निर्माताओं ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें लिखा था, 'पूरे वर्षों में, हमें कुछ असाधारण महिलाओं के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है। अब, गर्व के साथ, हम दीपिका पादुकोण का स्वागत करते हुए हमारी 50 साल की यात्रा पर आए हैं। भारत के सबसे बड़े सुपरस्टार्स को एक साथ लाना मुश्किल काम हैं। अनटाइटल्ड फिल्म 2021 में फ्लोर पर जाएगी और फिल्म 2022 में किसी समय रिलीज होगी। फिल्म के बारे में एक घोषणा आने वाले दिनों में होगी।

वरुण धवन करेंगे अमिताभ बच्चन की फिल्म का रीमेक!

निर्माता मुराद खेतानी ने 1982 में रिलीज हुई फिल्म नमक हलाल को फिर से बनाने के राइट्स खरीद लिए हैं। प्रकाश मेहरा निर्देशित इस फिल्म में अमिताभ बच्चन , स्मिता पाटिल, शशि कपूर और परवीन बॉबी ने लीड रोल बनाए थे। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी, आज रपट जाए तो, रात बाकी, जवानी जानेमन जैसे गानें आज भी सुने जाते हैं।

अमिताभ बच्चन ने इस फिल्म में मारधाड़ करने के साथ-साथ कॉमेडी भी की थी। उनका यह अंदाज खासा पसंद किया गया था और तब बात उठी थी कि यदि अमिताभ कॉमेडी भी करेंगे तो कॉमेडियन का क्या होगा?

मुराद खेतानी ने यह स्पष्ट किया है कि नमक हलाल की स्क्रिप्ट को आज के दौर से लिखा जा रहा है। कहानी का मूल भाव तो वही रहेगा, लेकिन आज के दर्शकों की पसंद के मुताबिक कुछ बदलाव इसमें होंगे। फिलहाल यह काम किया जा रहा है और स्क्रिप्ट फाइनल होने के बाद ही निर्देशक और कलाकारों का चयन होगा।

यह तो हो गई मुराद की बात, लेकिन बॉलीवुड के खबरची तो खबर सूंघ ही लेते हैं। उनका कहना है कि फिल्म का हीरो और निर्देशक फाइनल हो चुके हैं। वरुण धवन 'नमक हलाल' के रीमेक में अमिताभ वाला रोल निभाएंगे। निर्देशन की बागडोर उनके पिता डेविड धवन को सौंपी जाएगी। बाकी के कलाकारों का चयन अभी नहीं हुआ है।

सूत्रों की बात में कितना दम है वो तो आने वाले समय में पता चलेगा, लेकिन नमक हलाल के रीमेक को लेकर लोगों में उत्सुकता जरूर है।

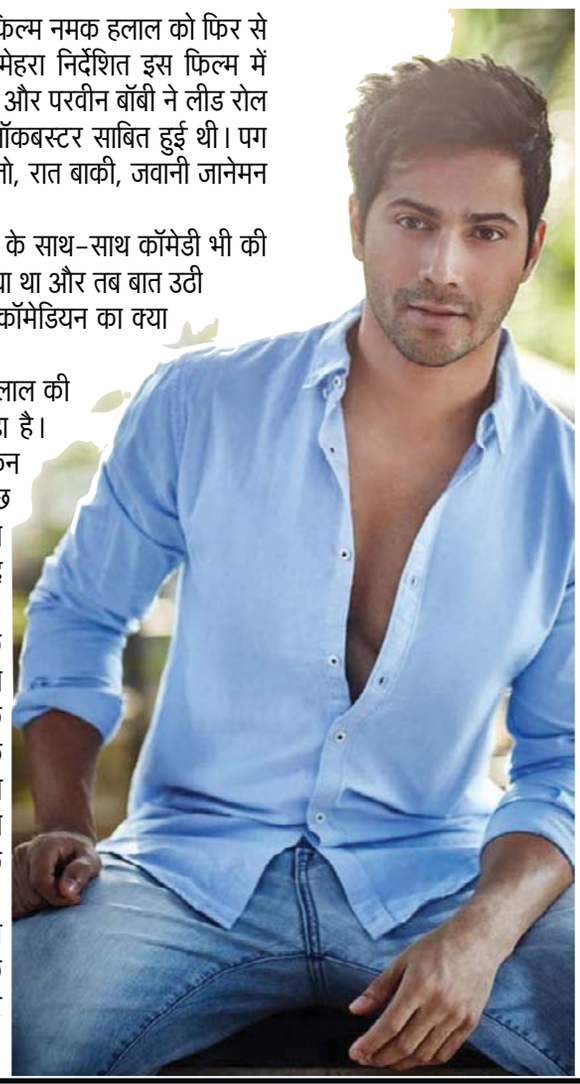

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विजयदशमी का त्योहार

दशहरा

दशहरा भारत का एक महत्वपूर्ण और लंबा उत्सव है। पूरे देश में इसे पूरे उत्साह, प्यार, विश्वास और सम्मान के साथ हिन्दू धर्म के लोगों द्वारा मनाया जाता है। सभी के द्वारा मस्ती करने के लिये ये वाकई अच्छा समय होता है। दशहरा के उत्सव पर स्कूल और कॉलेजों से भी कुछ दिनों की छुट्टी मिल जाती है। ये पर्व हर साल सितंबर और अक्तूबर के महीने में दीवाली के 20 दिन पहले पड़ता है। लोगों को इस त्योहार का बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है।

दशहरा से जुड़ी रीती रिवाज और परंपरा

भारत एक ऐसा देश है जो अपनी परंपरा और संस्कृति, मेले और उत्सव के लिये जाना जाता है। यहाँ हर पर्व को लोग पूरे जोश और खुशी के साथ मनाते है। हिन्दू पर्व को महत्व देने के साथ ही इस त्योहार को पूरी खुशी के साथ मनाने के लिये भारत की सरकार द्वारा दशहरा के इस उत्सव पर राजपत्रित अवकाश की घोषणा की जाती है। दशहरा का अर्थ है 'बुराई के राजा रावण पर अच्छाई के राजा राम की जीत'। दशहरा का वास्तविक अर्थ दस सर वाले असुर का इस पर्व के दसवें दिन पर अंत है। पूरे देश में सभी लोगों द्वारा रावण को जलाने के साथ ही इस उत्सव का दसवाँ दिन मनाया जाता है।

देश के कई क्षेत्रों में लोगों के रीति-रिवाज और परंपरा के अनुसार इस उत्सव को लेकर कई सारी कहानियाँ है। इस उत्सव की शुरुआत हिन्दू लोगों के द्वारा उस दिन से हुई जब भगवान राम ने असुर राजा रावण को दशहरा के दिन मार दिया था (हिन्दू कैलंडर के अश्वयुजा महीने में)। भगवान राम ने रावण को इसलिये मारा क्योंकि उसने माता सीता का हरण कर लिया था और उन्हें आजाद करने के लिये तैयार नहीं था। इसके बाद भगवान राम ने हनुमान की वानर सेना और लक्ष्मण के साथ मिलकर रावण को परास्त किया।

दशहरा का महत्व

दशहरा का पर्व हर एक के जीवन में बहुत महत्व है इस दिन लोग अपने अंदर की भी बुराइयों को ख़त्म करके नई जीवन की शुरुआत करते है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत की खुशी में मनाया जाने वाला त्यौहार है। दशहरा त्यौहार जश्न के रूप में मनाया जाने वाला त्यौहार है। सबकी जश्न की अपनी मान्यता है किसानों के लिए फसल को घर लाने का जश्न, बच्चों के लिए राम द्वारा रावण के वध का जश्न , बड़ो द्वारा बुराई पर अच्छाई का जश्न, आदि।

यह पर्व बहुत ही शुभ और पवित्र माना जाता है। लोगों का मानना है की इस दिन अगर स्वामी के पत्तों को घर लाये जाए तो बहुत ही शुभ होता है और इस दिन शुरू किये गए कार्य में जरूर सफलता मिलती है।

विजयादशमी से जुड़ी कथाएं

भगवान राम का रावण पर विजय।
पांडव का वनवास।
माँ दुर्गा द्वारा महिषासुर का वध।
देवी सती का अग्नि में समाना।
दशहरा का मेला

ऐसे कई जगह है जहां दशहरा पर मेला लगता है, कोटा में दशहरा का मेला, कोलकाता में दशहरा का मेला, वाराणसी में दशहरा का मेला, इत्यादि। जिसमें कई दुकानें लगती है और खाने पीने का आयोजन होता है। इस दिन बच्चे मेला घूमने जाते है और मैदान में रावण का वध देखने जाते है।

इस दिन सड़कों पर बहुत भीड़ होती है। लोग गाँवों से शहरों में दशहरा मेला देखने आते है। जिसे दशहरा मेला के नाम से जाना जाता है। इतिहास बताता है कि दशहरा का जश्न महारो दुर्जनशल सिंह हंडा के शासन काल में शुरू हुआ था। रावण के वध के बाद श्रद्धालु पंडाल घूमकर देवी माँ का दर्शन करते हुए मेले का आनंद उठाते है।

निष्कर्ष

हिन्दू धर्मग्रंथ रामायण के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि देवी दुर्गा को प्रसन्न करने और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिये राजा राम ने चंडी होम कराया था। इसके अनुसार युद्ध के दसवें दिन रावण को मारने का राज जान कर उस पर विजय प्राप्त कर लिया था। अंततः रावण को मारने के बाद राम ने सीता को वापस पाया।

दशहरा को दुर्गोत्सव भी कहा जाता है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि उसी दसवें दिन माता दुर्गा ने भी महिषासुर नामक असुर का वध किया था। हर क्षेत्र के रामलीला मैदान में एक बहुत बड़ा मेला आयोजित किया जाता है जहाँ दूसरे क्षेत्र के लोग इस मेले के साथ ही रामलीला का नाटकीय मंचन देखने आते है।

दशहरा या विजयदशमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार भारतीय संस्कृति के वीरता का पूजक, शौर्य का उपासक है। आश्विन शुक्ल दशमी को मनाया जाने वाला दशहरा यानी आयुध-पूजा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है।

असत्य पर सत्य की विजय - भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए इस दशमी को विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। दशहरा वर्ष की तीन अत्यंत शुभ तिथियों में से एक है, अन्य दो हैं चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारंभ करते हैं, इस दिन शस्त्र-पूजा, वाहन पूजा की जाती है।

प्राचीन काल में राजा लोग इस दिन विजय की प्रार्थना कर रण यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी जैसे अवगुणों को छोड़ने की प्रेरणा हमें देता है।

दशहरा शब्द की उत्पत्ति- दशहरा या दसेरा शब्द 'दश'(दस) एवं 'अहन्' से बना है। दशहरा उत्सव की उत्पत्ति के विषय में कई कल्पनाएं की गई हैं। कुछ लोगों का मत है कि यह कृषि का उत्सव है। दशहरे का सांस्कृतिक पहलू भी है।

भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में सुनहरी फसल उगाकर अनाज रूपी संपत्ति घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का ठिकाना हमें नहीं रहता। इस प्रसन्नता के अवसर पर वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए वह उसका पूजन करता है। तो कुछ लोगों के मत के अनुसार यह रण यात्रा का द्योतक है, क्योंकि दशहरा के समय वर्षा समाप्त हो जाते हैं, नदियों की बाढ़ थम जाती है, धान आदि सहेज कर में रखे जाने वाले हो जाते हैं। इस उत्सव का संबंध नवरात्रि से भी है क्योंकि नवरात्रि के उपरांत ही यह उत्सव होता है और इसमें महिषासुर के विरोध में देवी के साहसपूर्ण कार्यों का भी उल्लेख मिलता है। दशहरा या विजया दशमी नवरात्रि के बाद दसवें दिन मनाया जाता है। इस दिन राम ने रावण का वध किया था।

राम और रावण का युद्ध- रावण भगवान राम की पत्नी देवी सीता का अपहरण कर लंका ले गया था। भगवान राम युद्ध की देवी मां दुर्गा के भक्त थे, उन्होंने युद्ध के दौरान पहले नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा की और दसवें दिन दुष्ट रावण का वध किया। इसलिए विजयादशमी एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। राम की विजय के प्रतीक स्वरूप इस पर्व को %विजयादशमी% कहा जाता है।

दशहरा पर्व पर मेले- दशहरा पर्व को मनाने के लिए जगह-जगह बड़े मेलों का आयोजन किया जाता है। यहां लोग अपने परिवार, दोस्तों के साथ आते हैं और खुले आसमान के नीचे मेले का पूरा आनंद लेते हैं। मेले में तरह-तरह की वस्तुएं, चूड़ियों से लेकर खिलौने और कपड़े बेचे जाते हैं। इसके साथ ही मेले में व्यंजनों की भी भरमार रहती है।

रामलीला और रावण वध- इस समय रामलीला का भी आयोजन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। दशहरा अथवा विजयदशमी भग

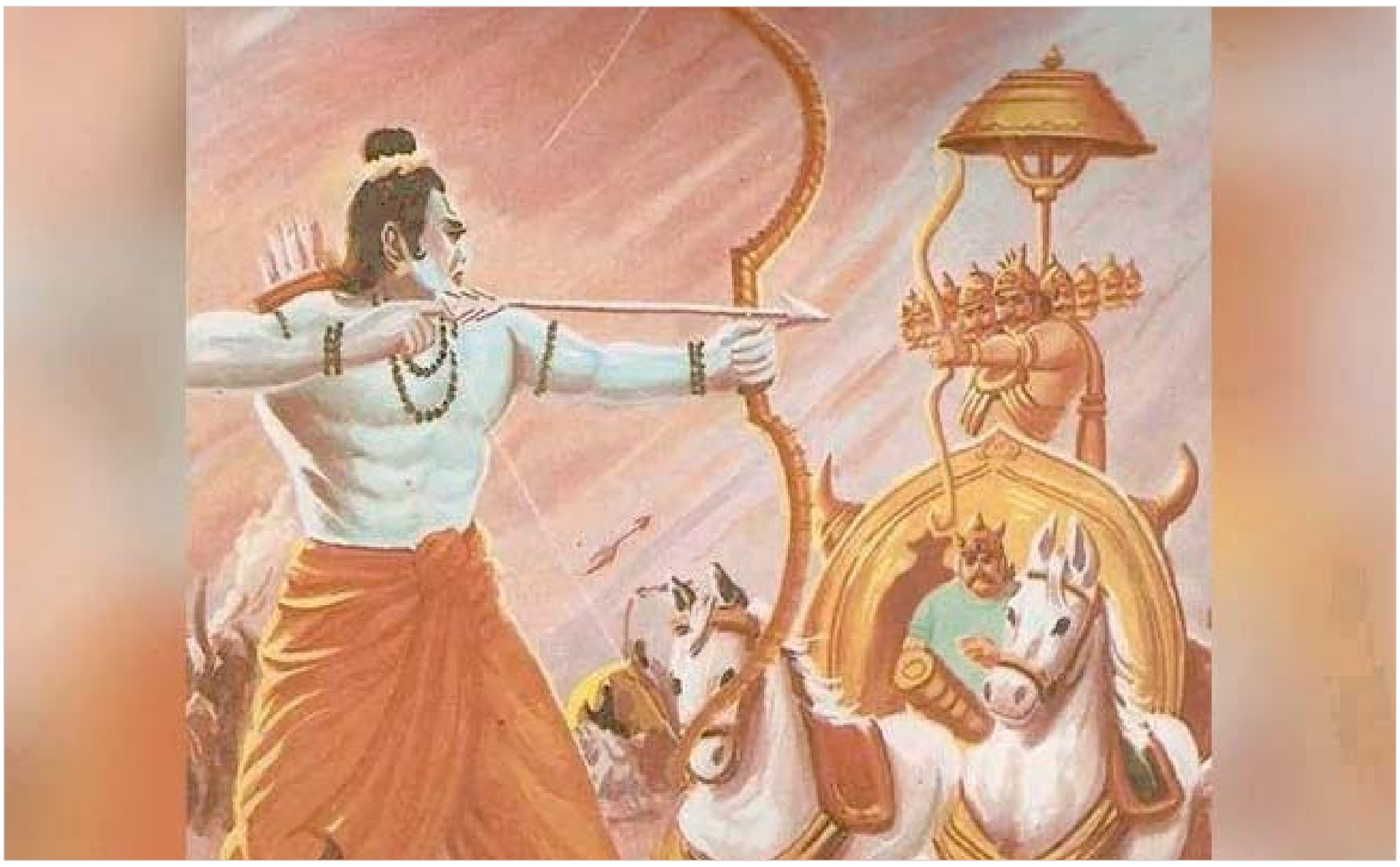

शौर्य की विजय गाथा

- बल्लभ डोभाल

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा लंकेश्वर रावण पर विजय की कहानी सनातन चली आई है। इसी स्मृति में विजय दशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया है। आदिग्रंथ, ऋग्वेद में 'उत्तिष्ठितः जागृतः प्राप्यबरान्निबोधतः' कहा है, अर्थात- ओ आर्यपुरुष उठ! विजय को प्राप्त कर! तेरी भुजाओं में बल है, तुझे कौन जीत सका है।

आदि सूत्र इस बात को स्पष्ट करते हैं कि वह तोप, तलवार से प्राप्त की जाने वाली विजय नहीं थी, उसके मूल में सेवाधर्म प्रमुख था, सदाचार था, मानवीय गहन संवेदना, दया, करुणा, प्रेम, सहानुभूति जैसे गुणों द्वारा प्राणी मात्र पर विजय प्राप्त करने की बात थी, जिन्हें प्रभु राम के जीवन में हम देखते हैं। राम के इसी आदर्श और गुणों का गायन संत तुलसीदास ने मानस ग्रंथ में किया है, जिसे रामलीला रूप में विजय दशमी पर्व पर मंचित किया जाता है।

ऐसे अनेक राष्ट्रीय पर्व हमारे इतिहास के महत्वपूर्ण अंग हैं। जो हमारी सांस्कृतिक विजय के प्रतीक बन जाते हैं। मानव जीवन में पर्वों-त्योहारों का महत्व यह है कि वे हमें अपने अतीत की समृद्धियों से जोड़ते हैं। भले वे रूढ़ परंपराओं के रूप में चले आ रहे हों, तो भी जन-जीवन को उनसे प्रेरणा मिलती है।

दीपावली, नवरात्र, रामनवमी, जन्माष्टमी, रक्षाबंधन और महावीर बुद्ध जैसे महापुरुषों की जयंतियां जैसे पर्व युग-युग के इतिहास के विभिन्न अध्यायों के रूप में हम देखते हैं। प्रत्येक पर्व मानव के जीवन पथ को प्रकाशित करता है। पर्वों को मनाने का अर्थ ही यह है कि उस इतिहास का नए सिरे से स्मरण कर जीवन में प्रगति लाई जाए। पर्व का अर्थ है क्रमिक विकास।

एक पर्वत के बाद दूसरे ऊंचे शिखर पर चढ़ना। पर्वों की उपयोगिता यह है कि वे राष्ट्र को उन्नति के शिखरों तक ले जाते हैं। राम की विजय दिखाकर रावण का पुतला फूंक देना मात्र पर्व नहीं है।

दीपावली की मिठाइयां और दीपका एक दिन के उत्सव के लिए नहीं हैं, उसमें राम की विजय उज्ज्वल आलोक बनकर हमारे अन्तस को जगमगा देता है। उस प्रकाश में हम अपने जीवन का मूल्यांकन करते हैं और राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के इन प्रश्नों का उत्तर हमारा अन्तःकरण स्वयं देने लगता है। हम कौन थे क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी? उत्तर में तब ऋग्वेदर के वे आदर्श मूर्त हो आते हैं जिसके जीवन में प्रकाश ही प्रकाश है।

विजय दशमी पर भगवान राम का स्मरण हम करते हैं। रामलीला में उनके चरित्र और गुणों का गायन होता है। राम को अवतारी पुरुष कहा गया है। राजा दशरथ के घर उनका जन्म होता है। किंतु अपने पावन चरित्र और सदुणों के कारण वे भगवान कहलाने लगते हैं। गुणों ही की तो पूजा होती है। गुणों के कारण देवताओं की पूजा हम करते हैं। राम, कृपा आदि को पूजते हैं, दशरथ और बसुदेव की पूजा कोई नहीं करता। कभी किसी कुल में ऐसे महापुरुष भी जन्म लेते हैं। जिनके पैदा होने से कुल का नाम ही बदल जाता है। सूर्यकूल में राम के पूर्वज राजा रघु इतने प्रतापी राजा हुए कि सूर्यकुल रघुकुल नाम से प्रख्यात हो जाता है। आगे राम रघुकुल सूर्य बनते हैं। साक्षात भगवान के रूप। प्राचीन ग्रंथों में भगवान, देवता, ईश्वर आदि नाम पारिभाषिक हैं, वहां भगवान शब्द की परिभाषा इस प्रकार की गई है।

ऐश्वर्यस्य समग्रस्यः शौर्यस्य यशसः श्रियः
ज्ञान वैराग्ययोश्चैव षषगंभग इतीरणा।

अर्थात संपूर्ण ऐश्वर्य, शौर्य, यश, लक्ष्मी, ज्ञान और वैराग्य इन छह गुणों को भग कहा गया है। यह भग जिसे प्राप्त हो, उसी को भगवान कहा जाता रहा है। भगवान बनने के लिए उपर्युक्त छह गुणों में सामंजस्य होना जरूरी है,वे एक-दूसरे के पूरक हों। अकेले ऐश्वर्यशाली को कभी भगवान नहीं कहा गया, ऐश्वर्य के साथ शौर्य होना जरूरी है, वरना ऐश्वर्य को कोई छीन ले जाएगा।

ऐश्वर्य और शौर्य पाकर दूसरों पर अत्याचार करने वाला भी भगवान नहीं बन सका, उसका यशस्वी होना भी जरूरी है। वह दूसरों को आश्रय देने वाला भी बने और अपने आश्रितों को सन्मार्ग दिखाने का ज्ञान भी रखता हो। उक्त पांचों गुणों के रहते यदि त्याग भावना (वैराग्य) नहीं तो भी भगवान कहलाने योग्य नहीं। अतः सर्वस्व त्याग करने की क्षमता भी होनी चाहिए। इन छह गुणों का समुच्चय जिनके चरित्र में हुआ, वे भगवान कहलाने लगे। विजयादशमी भगवान राम का उत्सव पर्व है, जहां राम के द्वारा पतित एक अहिल्या का उद्धार होता है। किंतु गाथा-साहित्य में आकर राम का नाम और चरित्र लाखों-करोड़ों के लिए पतित पावन बन जाता है। ऐसे पर्वों-त्योहारों को मनाने की सार्थकता तभी है जब उनके चरित्र और गुणों को हम अपने जीवन में उतारते हैं।

गिरनार रोप-वे और किसान सूर्योदय योजना का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया ई-लोकार्पण

– अगले 3 वर्ष में गुजरात के सभी किसानों को दिन में भी मिलेगी बिजली: मुख्यमंत्री
– 'गिरनार के विश्वस्तरीय रोप-वे से यात्री शीघ्रता और आसानी से कर सकेंगे दर्शन'

क्रांति समय समाचार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जूनागढ़ में मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी की मौजूदगी में गिरनार रोप-वे और किसान सूर्योदय योजना का नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ई-लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने महानवमी के पावन पर्व की लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के लिए जो स्वप्न देखा था, उसे साकार करने का यह अनोखा पर्व है। आज गुजरात प्रधानमंत्री के बताए मार्ग पर प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इंफ्रास्ट्रक्चर हो या इंडस्ट्री, मेडिकल हो या टूरिज्म का क्षेत्र कोरोना संक्रमण के बीच भी गुजरात ने आपत्ति को अवसर में पलटकर विकास की यात्रा को अविरत आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने गौरव के साथ इस बात का जिक्र किया कि प्रधानमंत्री और तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के गांवों में से अंधकार को दूर किया था। ज्योतिग्राम योजना के जरिए गुजरात के गांवों को 24 घंटे अबाधित बिजली आपूर्ति शुरू की थी। अब किसान सूर्योदय योजना के जरिए गुजरात के किसानों को दिन में भी बिजली मिलेगी। इससे किसानों को खेतीबाड़ी के कार्य के लिए रातों को जागरण नहीं करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अगले तीन वर्षों में गुजरात के तमाम किसानों को दिन में बिजली मिलने लगेगी। उन्होंने कहा कि गुजरात में कोरोना का रिकवरी रेट यानी मरीजों के स्वस्थ होने की दर 90 फीसदी तक पहुंच गई है जबकि मृत्यु दर घटकर 2.15 फीसदी रह गई है। वहीं, पॉजिटिविटी रेट यानी परीक्षण के दौरान लोगों के पॉजिटिव निकलने की दर भी 2.75 फीसदी रह गई है। इस तरह जनता के सहयोग से त्योहारों के दौरान कोरोना को नियंत्रित रखने में गुजरात सफल रहा है। सौराष्ट्र क्षेत्र में प्रचलित किवदंती का उल्लेख करते हुए श्री रूपाणी ने कहा कि पवित्र गिरनार पर्वत का दर्शन और दामोदर कुंड में स्नान नहीं किया तो यह मानव अवतार असफल माना जाता है। उन्होंने कहा कि लाखों-करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र गिरनार में बरसों के अवरोधों के बाद आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से विश्वस्तरीय रोप-वे का शुभारंभ हो रहा है। इस सुविधा के उपलब्ध होने से अब तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को रोप-वे के माध्यम से आसानी से दर्शन हो सकेंगे। प्रधानमंत्री ने गिरनार रोप-वे को शीघ्र मंजूरी प्रदान कर जूनागढ़वासियों का रोप-वे का सपना साकार किया है। मुख्यमंत्री ने गिरनार पर्वत की चोटियों पर यात्रियों को ले जाने वाले डोली वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि डोली मजदूर शारीरिक श्रम कर लोगों को पर्वत की विभिन्न चोटियों पर मौजूद विभिन्न धार्मिक स्थानों के दर्शन कराते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पवित्र पर्वत गिरनार में अनेक परम आत्मा, साधु-संतों ने साधना की है। मोक्ष गति प्राप्त की है। ऐसे में, इस पवित्र स्थान पर रोप-वे की सहूलियत से भक्त अब आसानी से अंबाजी माता के दर्शन कर सकेंगे। ऊर्जा मंत्री श्री सौरभभाई पटेल ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तभी से राज्य में विद्युत क्रांति की शुरुआत हो गई थी। लोगों को 24 घंटे बिजली सप्लाई करने के लिए श्री मोदी ने ज्योतिग्राम योजना शुरू की थी, इससे उद्योगों का रुझान भी गांवों की ओर बढ़ने लगा। उन्होंने कहा कि किसानों को जल्द से जल्द बिजली का कनेक्शन उपलब्ध कराने को सरकार कटिबद्ध है। एक बिजली कनेक्शन के लिए सरकार किसान को 1.50 लाख रुपए की सब्सिडी-सहायता देती है। सरकार किसानों की बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी भी नहीं कर रही है और अतिरिक्त बोझ को स्वयं वहन कर रही है। यह सरकार किसानों की चिंता करने वाली सरकार है। श्री पटेल ने कहा कि किसानों को दिन में बिजली सप्लाई करने के लिए शुरू की जा रही किसान सूर्योदय योजना के लिए राज्य सरकार को अनेक नए सबस्टेशन, ट्रांसमिशन और विद्युत लाइनें बिछानी पड़ेगी। सोलर रूफटॉप योजना के तहत 1 लाख से अधिक लोगों को बिजली आपूर्ति करने का कार्य राज्य सरकार ने शुरू किया है। उन्होंने कहा कि गुजरात में सौर और पवन ऊर्जा के जरिए 30 हजार मेगावाट बि. जली का उत्पादन किया जाएगा। कोयले और गैस से उत्पन्न बिजली न सिर्फ महंगी पड़ती है बल्कि पर्यावरण पर भी उसका प्रभाव पड़ता है, इसलिए नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन पर विशेष जोर दिया जाएगा। पर्यटन मंत्री श्री जवाहरभाई चावड़ा ने कहा कि जूनागढ़ में गिरनार रोप-वे का स्वप्न आज साकार हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान रोप-वे परियोजना का शिलान्यास किया था। इस प्रोजेक्ट के निर्माण में कई बाधाएं आईं, लेकिन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के संकल्प के कारण आज रोप-वे का सपना साकार हुआ है। श्री चावड़ा ने आगे कहा कि आज जूनागढ़ में दिवाली जैसा माहौल है। ऐसा माहौल जूनागढ़ में नवाबी शासन के खत्म होने के समय देखा गया था। उन्होंने कहा कि अब तक जूनागढ़ में तीर्थयात्री ही आते थे, अब पर्यटक भी आएंगे और जूनागढ़ का विकास होगा। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के माध्यम से जूनागढ़ की आय में लगभग 200 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी होगी। स्थानीय सांसद श्री राजेश चूड़ास्मा ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जूनागढ़ में गिरनार रोप-वे प्रोजेक्ट के शुभ. ारंभ से सौराष्ट्रवासियों का स्वप्न पूरा हुआ है। अशक्त और वृद्ध लोग भी अब गिरनार में दर्शन के लिए जा सकेंगे। किसान सूर्योदय योजना से किसानों को भी दिन में बिजली प्राप्त होगी। उन्होंने इन दोनों प्रोजेक्ट को स्वीकृति देने के लिए राज्य और केंद्र सरकार का

पीएम मोदी ने एशिया के सबसे बड़े गिरनार रोप वे का ई लोकार्पण किया

क्रांति समय समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को एशिया के सबसे बड़े रोप वे गिरनार रोप वे का ई लोकार्पण किया। रोप वे के प्रारंभ होने से 2.3 किलोमीटर की दूरी अब केवल 7 मिनट में तय की जा सकेगी।

उषा ब्रेको कंपनी द्वारा 130 करोड़ की लागत से गिर रोप वे बनाया गया है।

भवनाथ तलहटी से गिरनार पर्वत पर अंबाजी मंदिर की दूरी 2.3 किलोमीटर हैद्य रोप वे के प्रारंभ होने से श्रद्धालु केवल 7 मिनट में तलहटी से अंबाजी मंदिर

पहुंच जाएंगें ।

फिलहाल तलहटी से दत्त मंदिर जाने में 4 से 6 घंटे लगते हैं। 2.3 किलोमीटर की लंबाई वाले गिरनार रोप वे के रूट पर 9 टावर बनाए गए हैं।

रोपवे के सबसे ऊंचे पिलर की ऊंच. ाई 66 मीटर हैद्य एक ट्रोली में 8 व्यक्ति बैठ सकता हैं।

36 सैकंड में ट्रोली रवाना होगी और एक घंटे में 800 श्रद्धालु 25 ट्रोली में अंबाजी मंदिर पहुंच जाएंगे।

जूनागढ़ रोप वे के टिकट का दर कंपनी द्वारा तय किया गया है।

एशिया के सबसे बड़े रोप वे में बैठने के लिए 700 रुपए दोनों ओर का तय किया गया है।

जबकि एक ओर किराया रु. 400 होगा।

बच्चों के टिकट का दर रु. 350 तय किया गया है।

गिरनार रोप वे उन लाखों पर्यटकों के लिए नया नजराना होगा जो एशियाटिक शेरों को देखने आते हैं। रोप वे के जरिए पर्यटक ऊंचाई से गिरनार जंगल का नजारा दे सकेंगे।

रोप वे के प्रारंभ होने से राज्य के पर्यटन उद्योग को गति मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

साणंद में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश, महिला समेत 3 लोग धरे गए

क्रांति समय समाचार

साणंद पुलिस ने शहर के गुरुमनक सोसायटी के एक मकान में छापा मारकर एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लियाद्य पकड़ी गई महिला अपने घर में लड़किया बुलकर उनसे देह व्यापार कराती थी। अहमदाबाद जिले की साणंद पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर के कोलट रोड स्थित गुरुमनक सोसायटी के एक मकान में वसंत बा नामक महिला सेक्स रैकेट चलाती है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने एक डमी ग्राहक भेजा। खबर पुख्ता होने के बाद साणंद पुलिस ने रेड कर वसंत बा और जयदीप परमार को दबोच लिया।

पूछताछ में पता चला कि वसंत बा पिछले 7 साल से बाहर से लड़कियां बुलाती और उनसे देह व्यापार करती थी ग्राहकों से 500 रुपए लेकर वसंत बा 200 रुपए अपने पास रखती और 300 रुपए लड़की को देती थी।

जबकि जयदीप परमार पूर्वी अहमदाबाद के नरोडा क्षेत्र का निवासी है और ऑटो रिक्शा चलाता है। जयदीप परमार ही पिछले 6 महीने से रानी नाम की लड़की को वसंत बा के घर लाता था। मकान के अन्य कमरे से मिली दो महिलाओं में एक रानी संजय राय है, जो कोलकाता के बशीरहाट की मूल निवासी है और फिलहाल पूर्वी अहमदाबाद के नरोडा क्षेत्र में रहती है।

सोनल मारवाडी नामक दूसरी महिला साणंद की निवासी है।

पुलिस ने वसंत बा, जयेन्द्रसिंह वाघेला और जयदीप परमार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

पश्चिम रेलवे चलायेगी अहमदाबाद दृ मुंबई सेंट्रल शताब्दी एक्सप्रेस स्पेशल एवम् भुज दृ बरेली फेस्टिवल स्पेशल

क्रांति समय समाचार

अहमदाबाद, आगामी दशहरे एवं दिवाली फेस्टिवल के दौरान यात्रियों की मांग एवं सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद – मुंबई सेंट्रल के बीच शताब्दी एक्सप्रेस स्पेशल तथा भुज एवं बरेली के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है। मण्डल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार झा के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है।

1.ट्रेन संख्या 02009 /2010 मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद –मुंबई सेंट्रल शताब्दी एक्सप्रेस स्पेशल (सप्ताह में 6 दिन रविवार को छोड़कर)

2.ट्रेन संख्या 04322 / 04321 भुज – बरेली – भुज फेस्टिवल स्पेशल (विशेष किराये के साथ)

ट्रेन संख्या 04322 भुज – बरेली स्पेशल 28 अक्टूबर 2020 से 2 दिसंबर 2020 तक प्रति बुधवार, शुक्रवार, शनिवार तथा रविवार को 17:05 बजे भुज से चलकर दूसरे दिन 20:35 बजे बरेली पहुंचेगी।

राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ मरीजों को आसानी से उपलब्ध हो रहा हैः उप मुख्यमंत्री

क्रांति समय समाचार

अहमदाबाद,उप मुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल ने अहमदाबाद में नवनिर्मित बालको के हृदय रोग के हॉस्पिटल के उद्घाटन अवसर पर कहा कि इस हॉस्पिटल में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना और गुजरात सरकार की 'मा वात्सल्य योजना' के हेल्थ कार्ड के तहत रोगियों को निःशुल्क उपचार का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में यहां कुल 3,596 से अधिक हार्ट सर्जरी की गई है जिसमें 1927 बालको की सर्जरी शामिल है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के महत्वाकांक्षी प्रकल्पों का ई लोकार्पण किया। इन प्रकल्पों में 470 करोड़ रुपए की लागत से अहमदाबाद के यूएन मेहता हॉस्पिटल में 850 बिस्तरों वाले बालकों के हृदय रोग के अद्यतन उपचार सुविधा का नया हॉस्पिटल, गिरनार में एशिया का सबसे बड़ा रोप-वे और किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति करने की 'किसान सूर्योदय योजना' शामिल है।

नितिन पटेल ने कहा कि यह इमारत काफी समय पहले ही तैयार हो गई थी

लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसे कोरोनाग्रस्त मरीजो की सेवा-उपचार के लिए कार्यरत किया गया था। यहां 3 हजार से अधिक मरीजों का उपचार किया

पीएम मोदी ने अहमदाबाद में नवनिर्मित यूएन मेहता अस्पताल का ई लोकार्पण किया

गया है। अब हृदय रोग के मरीजों के लिए यह बिल्डिंग पूर्ण रूप से कार्यरत हो गई है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस हॉस्पिटल में मरीजों को न्यूनतम खर्च में उपचार सुविधा उपलब्ध होगी। राज्य सरकार द्वारा लागू स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ मरीजों को आसानी से मिलेगा।

अहमदाबाद सिविल मेडिसिटी में कार्यरत अन्य हॉस्पिटलों के साथ बालकों के हृदय रोग के इस नवनिर्मित हॉस्पिटल में मरीजों को अद्यतन उपचार सुविधा मुहैया होगी।

ऊर्जा मंत्री श्री सौरभभाई पटेल तथा पर्यटन मंत्री श्री जवाहर चावड़ा ने जूनागढ़ से, श्री दिलीप ठाकोर पाटण, श्री बचुभाई खाबड़ दाहोद जिले से इस कार्यक्रम में

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े और अपने विचार व्यक्त किए। अहमदाबाद स्थित यूएन मेहता हॉस्पिटल में गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री सीआर पाटिल, सांसदगण, विधायकगण, महापौर श्रीमती बीजलबेन पटेल, मुख्य सचिव श्री अनिल मुकीम, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री के. कैलाशनाथन, राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री पंकज कुमार, स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव डॉ. जयंती रवि, यूएन मेहता हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. आरके पटेल सहित चिकित्सा जगत के अन्य कई अग्रणी उपस्थित थे।

सार–समाचार

जुए के अड्डे पर रेड करने गई पुलिस पर हमला, 10 गिरफ्तार

सुरेन्द्रनगर, राजकोट रूरल पुलिस के सुरेन्द्रनगर जिले के थान में चल रहे जुए अड्डे पर रेड करने पर जुआरियों ने पुलिस पर हमला कर दिया। हांलाकि बड़ी संख्या में पुलिस होने जुआरियों की एक नहीं चली और पुलिस ने 10 शख्सों को गिरफ्तार कर लियां। साथ ही दो लाख से अधिक माल सामान भी जब्त कर लिया। सुरेन्द्रनगर जिले के थान में बड़े पैमाने पर जुए के अड्डे चलते हैं। स्थानीय पुलिस कई दफा रेड कर चुकी है, लेकिन कुछ दबंगों ने हमला कर पुलिस को खदेड़ दिया है। इसका अनुभव राजकोट पुलिस को भी हुआ है। दरअसल पूर्व सूचना के आधार पर राजकोट रूरल पुलिस ने थान में जुए अड्डे पर छापा मारा। उस वक्त पुलिस और जुआरियों के बीच घर्षण हुआ। हांलाकि बड़ी संख्या में पुलिस जवान होने से जुआरियों को आखिर सरेंडर करना पड़ा। पुलिस ने घटनास्थल से निलेश धनजी मेहता, बुधा लालजी बोसरणिया, सुखराम प्रभु जीजुवाडिया, संजय रसीक वानाणी, राकेश विनोद इधाटिया, कल्पेश बाबू चीखलिया, विजय रतीलाल वरीवडिया, शाहिद वारिसअली अंसारी, विनोद उर्फ शैलेष और कानजी चौहाण समेत 10 लोगों को गिरफ्तार कर लियां । साथ ही रु. 180650 नकद और 11 मोबाइल समेत रु. 200150 का माल सामान जब्त कर लिया।

तालाब में नहाने गए दो किशोरों की डूबकर मौत

भावनगर जिले के पालडी गांव के तालाब में नहाने गए दो किशोरों की पानी में डूबकर मौत हो गई। स्थानीय तैराकों की मदद से पुलिस ने शवों को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक भावनगर जिले की गारियाधार तहसील के पालडी गांव निवासी 14 वर्षीय युग राजुभाई बारड और 12 वर्षीय नयन मुकेशभाई हरियाणी नामक दो बच्चे गांव के निकट तालाब में नहाने गए थें। जहां दोनों किशोर गहरे पानी में डूबने लगे। बच्चों को डूबता देख स्थानीय लोग घटनास्थल पर जमा हो गए और तैराकों की मदद से पानी में बच्चों की तलाश शुरू कर दीं। खबर लगते ही पुलिस और एम्ब्युलेंस 108 भी घटनास्थल पर पहुंच गई। काफी समय की मशक्कत के बाद स्थानीय तैराकों के हाथ दोनों किशोरों के शव लगें। दो किशोरों की मौत से छोटे गांव में शोक फैल गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू की है।

न्यू कोटन चौराहे पर एएमटीएस बस ने महिला को कुचला, मौके पर मौत

अहमदाबाद, शहर के अमराईवाडी क्षेत्र में न्यू कोटन चौराहे के निकट अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ट्रांसपोर्ट सर्विस (एएमटीएस) ने एक महिला को अपनी चपेट में ले लियां । इस हादसे में युवती की घटनास्थल पर मौत हो गई। अहमदाबाद के अमराईवाडी क्षेत्र में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के निकट न्यू कोटन चौराहे के निकट आज एएमटीएस की बस ने एक महिलाको अपनी चपेट में ले लियां। बस के अगले पहिए से कुचल कर महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद बस में सवार लोग नीचे उतर गए।

दूसरी ओर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना से गुस्साए लोगों ने बस पर पथराव किया। खबर लगते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और भीड़ को तितर बितर कर महिला के शव को अस्पताल भेज दिया। बस के ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि वह बस को लालदरवाजा की ओर ले जा रहा था, उस वक्त एक महिला बगैर अगल बगल देखे सड़क पार कर रही थी। महिला को देख मैंने ब्रेक लगाई, लेकिन दुर्भाग्यवश वह बस के अगले पहिए के नीचे आ गई और उसकी मौत हो गई।

रोप-वे में बैठकर गिरनार के शिखर पर मां अंबाजी के मंदिर पहुंचे मुख्यमंत्री ने की पूजा-अर्चना

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने शनिवार को नवरात्रि के पावन पर्व पर गिरनार पर्वत पर रोप-वे सुविधा के लोकार्पण के पहले दिन रोप-वे की ट्रॉली में बैठकर शिखर पर विराजमान मां अंबा के दर्शन किए और धन्यता का अनुभव किया। मुख्यमंत्री के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अंजलीबेन रूपाणी, ऊर्जा मंत्री श्री सौरभभाई पटेल, पर्यटन मंत्री श्री जवाहर चावड़ा और स्थानीय सांसद श्री राजेशभाई चूड़ास्मा मौजूद थे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एशिया के सबसे बड़े गिरनार रोप-वे प्रोजेक्ट का शनिवार को नई दिल्ली से वर्चुअल तरीके से लोकार्पण किया था। इस अवसर पर जूनागढ़ में उपस्थित मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने गिरनार रोप-वे (उड़न खटोला) परिसर में दीप प्रज्व. लित किया। यहां गिरनार रोप-वे को तैयार करने वाली कंपनी उषा ब्रेको के अध्यक्ष प्रशांत झावर और प्रबंध निदेशक अपूर्व झावर ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने रोप-वे की पहली ट्रॉली में बैठकर तलहटी से शिखर तक 2.32 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद अंबाजी माता के दर्शन किए। अंबाजी मंदिर में महंत श्री तनसुखगिरी बापू और महंत गणपतगिरी बापू ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। सत्ताधार के महंत श्री विजय बापू, महंत मुक्तानंद बापू, शेरनाथ बापू, प्रेमनाथ बापू, हरिहरानंद बापू और इंद्रभारती बापू सहित संतों-महंतों ने आशीर्वचन प्रदान किए। मां अंबाजी के दर्शनों के बाद मुख्यमंत्री ने तलहटी स्थित लोअर स्टेशन पर मीडिया के साथ वार्ता में कहा कि यह खुशी की बात है कि आज एशिया के सबसे बड़े गिरनार रोप-वे का शुभारंभ हुआ है। गिरनार पर्वत पर स्थित अंबाजी मंदिर सहित विभिन्न धार्मिक स्थानों तक पहुंचने के लिए हजारों सीढ़ियां चढ़नी पड़ती थी इसके चलते बुजुर्ग, बच्चे और अशक्त जन दर्शन के लिए जाने में असमर्थ थे या तो उन्हें शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ती थी। अब रोप-वे तैयार हो जाने से सभी लोग माता अंबाजी के दर्शन कर सकेंगे और गिरनार के लुभावने प्राकृतिक नजारों को देखने का आनंद उठा सकेंगे। रोप-वे के माध्यम से आज माता अंबाजी के दर्शन करने पर स्वयं को सौभाग्यशाली बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि, "मैं 22 साल पहले गिरनार आया था। आज रोप-वे के कारण इतने वर्षों के बाद फिर से माता अंबाजी के दर्शन हुए हैं इसलिए धन्यता महसूस कर रहा हूं।" इसके बाद उन्होंने परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर महापौर श्री धीरुभाई गोहिल, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री किरीटभाई पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष सेजाभाई करमटा, केशोद के विधायक श्री देवाभाई मालम, पूर्व विधायक श्री महेन्द्रभाई मशरु, अग्रणी प्रदीपभाई खीमाणी, गुजरात पर्यटन निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री जेनु देवान, ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक शाह मिनाह हुसैन, पीजीवीसीएल की प्रबंध निदेशक श्वेता टिवेटिया, जिला कलक्टर डॉ. सौरभ पारघी, पुलिस महानिरीक्षक मनिंदर सिंह पवार, पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वासमशेट्टी उपस्थित थे।

रोप-वे के कारण 22 वर्ष बाद माता के दर्शन कर धन्यता महसूस की: मुख्यमंत्री

न्यू कोटन चौराहे पर एएमटीएस बस ने महिला को कुचला, मौके पर मौत

अहमदाबाद, शहर के अमराईवाडी क्षेत्र में न्यू कोटन चौराहे के निकट अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ट्रांसपोर्ट सर्विस (एएमटीएस) ने एक महिला को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में युवती की घटनास्थल पर मौत हो गई। अहमदाबाद के अमराईवाडी क्षेत्र में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के निकट न्यू कोटन चौराहे के निकट आज एएमटीएस की बस ने एक महिलाको अपनी चपेट में ले लिया। बस के अगले पहिए से कुचल कर महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद बस में सवार लोग नीचे उतर गए। दूसरी ओर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना से गुस्साए लोगों ने बस पर पथराव कियाद्य खबर लगते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और भीड़ को तितर बितर कर महिला के शव को अस्पताल भेज दिया।

बस के ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि वह बस को लालदरवाजा की ओर ले जा रहा था, उस वक्त एक महिला बगैर अगल बगल देखे सड़क पार कर रही थी। महिला को देख मैंने ब्रेक लगाई, लेकिन दुर्भाग्यवश वह बस के अगले पहिए के नीचे आ गई और उसकी मौत हो गई।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जम्मू कश्मीर भाजपा प्रमुख बोले, 'गुपकार गैंग' की साजिशों को नहीं किया जाएगा बर्दाश्त

जम्मू। जम्मू कश्मीर भाजपा प्रमुख रविंदर रैना ने शनिवार को कहा कि 'गुपकर गैंग' की साजिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और देश की एकता एवं अखंडता को चुनौती देने वाले किसी भी व्यक्ति के लिये जेल में जगह होगी। उन्होंने दिवाली और स्वतंत्रता दिवस समारोह की तरह ही 26 अक्टूबर को 'विलय दिवस' के रूप में मनाने की भी घोषणा की, ताकि यह स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्नहिस्सा है। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में सिर्फ राष्ट्रीय ध्वज फहरेगा। उन्होंने पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के एक बयान के जवाब में यह कहा। महबूबा ने शुक्रवार को कहा था कि जब तक जम्मू-कश्मीर को लेकर पिछले साल पांच अगस्त को संविधान में किए गए बदलावों को वापस नहीं ले लिया जाता, तब तक उन्हें चुनाव लड़ने अथवा तिरंगा थामने में कोई दिलचस्पी नहीं है। रैना ने नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) का जिक्र करते हुए दावा किया कि जब वे सत्ता में थे तो भारत की सराहना करते थे, लेकिन जब वे सत्ता से बाहर हैं तो उन्हें पाकिस्तान और चीन की याद आ रही है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया, ''उन्हेंभारत विरोधी एजेंडा आगे नहीं बढ़ाने दिया जाएगा। उन्हें कोशिश कर लेने दीजिए, गुपकर गैंग छह दलों से बढ़ कर 600 तक पहुंच रहा है लेकिन हम उनके सपनों को पूरा नहीं होने देंगे। वे सत्ता के भूखे लोग हैं और जम्मू कश्मीर की जनता उन्हें बखूबी जानती है। नेकां और पीडीपी सहित जम्मू कश्मीर की मुख्य धारा की राजनीतिक पार्टियों ने राज्य का विशेष दर्जा बहाल करने के लिये इस महीने की शुरूआत में गुपकर घोषणापत्र के लिये एकगठबंधन बनाया था।

शासन में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका में होंगी: किरण बेदी

पुडुचेरी। पुडुचेरी की उपराज्यपाल किरण बेदी ने शनिवार को उम्मीद जताई कि करीब एक दशक से लंबित निकाय चुनाव पूर्ण होने के बाद स्थानीय शासन में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका में रहेंगी। उल्लेखनीय है कि परिसीमन और अन्य संबंधित कार्यों के पूरा होने के बाद पांच नगर पालिकाओं, 10 समूह पंचायतों और 98 ग्राम पंचायतों के चुनाव होने की उम्मीद है जिनमें संयुक्त रूप से 800 से अधिक वार्ड हैं। बेदी ने जनता के लिए जारी एक वीडियो संदेश में कहा, ''स्थानीय निकायों में एक तिहाई जन प्रतिनिधित्व महिलाओं के लिए उपलब्ध होगा। इसलिए महिलाएं स्थानीय शासन और कुल मिलाकर पुडुचेरी में आने वाले वर्षों में बदलाव के लिए नेतृत्व करेंगी।'' उन्होंने कहा कि एक बार नगर निकाय के प्रतिनिधियों का चुनाव जनता द्वारा हो जाए, तो संभवत- लोगों को शिकायतों के समाधान के लिए 'राजनिवास' तक आना नहीं पड़ेगा और उन समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान हो सकेगा। उप राज्यपाल ने कहा कि स्थानीय निकाय में निर्वाचित महिलाओं के लिए मद्यपान को नियंत्रित करने का अवसर होगा। उन्होंने कहा कि जब स्थानीय चुनाव संपन्न हो जाएंगे तो वह उनके लिए प्रगति के एक युग को सामने देखती हैं। उल्लेखनीय है कि बेदी ने रॉय पी थॉमस को राज्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया है और उनके द्वारा निकाय चुनाव कराने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये गए हैं। पुडुचेरी में वर्ष 2006 में स्थानीय निकाय के चुनाव हुए थे जिसका कार्यकाल जुलाई 2011 में ही समाप्त हो गया था।

बिहार चुनाव घोषणा-पत्र में मुफ्त कोविड वैक्सीन का वादा बिल्कुल सही- निर्मला सीतारमण

नयी दिल्ली। भाजपा के बिहार चुनाव घोषणा-पत्र में मुफ्त कोविड टीके के वादे को लेकर विपक्षी दलों द्वारा की जा रही आलोचना के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि यह घोषणा बिल्कुल ठीक है और पार्टी इस बात की घोषणा कर सकती है कि वह सत्ता में आने पर क्या करना चाहती है। सीतारमण ने बृहस्पतिवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणा पत्र जारी किया था। दस्तावेज में मुख्य रूप से किये गए वादों में भगवा पार्टी के सत्ता में फिर आने पर राज्य के लोगों को मुफ्त में कोविड का टीका लगाया जाना भी शामिल है। इस वादे को लेकर विपक्षी दलों ने भाजपा की आलोचना की थी और चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग करते हुए आरोप लगाया था कि सत्ताधारी दल महामारी का इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिये कर रहा है। भाजपा की वरिष्ठ नेता सीतारमण ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह घोषणा-पत्र में किया गया ऐलान है। एक दल इस बात की घोषणा कर सकता है कि वह सत्ता में आने पर क्या करना चाहता है। बिल्कुल वही घोषणा की गई है। स्वास्थ्य राज्य का विषय है। यह पूरी तरह सही है।'' उन्होंने कहा कि हर दल अपने घोषणा-पत्र में यह बताता है कि सत्ता में आने पर वह क्या करना चाहता है। बिहार विधानसभा के लिये चुनाव तीन चरणों में होंगे। पहले चरण के लिये मतदान 28 अक्टूबर को होना है।

शिवाजी पार्क की जगह सभागार में दशहरा रैली आयोजित करेगी शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने अपनी वार्षिक दशहरा रैली रविवार को मुंबई के एक सभागार में आयोजित करने का फैसला किया। पार्टी की दशहरा रैली पारंपरिक रूप से शिवाजी पार्क मैदान में होती आई हैं। पार्टी सूत्रों ने शनिवार को बताया कि महाराष्ट्र की शिवसेना नीत सरकार ने राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक सभाओं पर प्रतिबंध लगाया हुआ है जिसके तहत कोविड-19 के सुरक्षा प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है। यह पहली बार है कि रैली शिवाजी पार्क में नहीं होगी, जहां पार्टी के कार्यकर्ता दशहरे की शाम पार्टी प्रमुख को सुनने के लिए बड़ी संख्या में जुटते थे।

पीएम मोदी बोले, कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिये कदम उठा रही है सरकार

अहमदाबाद। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार देश में कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिये कदम उठा रही है ताकि किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। मोदी ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब किसान समूह और विपक्षी दल नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने नयी दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंस के जरिये गुजरात में कृषि, स्वास्थ्य देखभाल और पर्यटन विकास से संबंधित तीन परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, किसानों की आय दोगुनी करने और उत्पादन लागत तथा उनकी कठिनाइयों को कम करने के लिये हमें बदलते समय के साथ अपने प्रयासों को भी बढ़ाना होगा। मोदी ने कहा, चाहे किसानों को देश में कहीं भी फसल बेचने की आजादी देना हो, हजारों किसान उत्पादन संगठनों का गठन हो, रुकी हुई सिंचाई परियोजनाओं का पूरा करना हो, फसल बीमा योजना में सुधार हो, यूरिया की 100 प्रतिशत नीम कोटिंग हो या फिर मृदा स्वास्थ्य कार्ड हो...सभी का लक्ष्य कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाना है ताकि किसानों के खेती में कोई दिक्कत न आए। इस प्रकार की पहल लगातार की जा रही हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने गुजरात के किसानों को सिंचाई और कृषि से संबंधित कार्यों के लिये दिन के समय बिजली मुहैया कराने के लक्ष्य के साथ किसान सूर्योदय योजना की शुरुआत की। इसके अलावा उन्होंने अहमदाबाद के यू एन मेहता हृदयरोग विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान में राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार बाल हृदय रोग अस्पताल का भी उद्घाटन किया। मोदी ने अहमदाबाद में प्रमुख तीर्थस्थल जूनागढ़ शहर के निकट गिरनार पर्वत में 2.3 किलोमीटर लंबी रोप-वे परियोजना का भी उद्घाटन किया। इसे एशिया का सबसे लंबा मंदिर रोपवे बताया जा रहा है। इस दौरान मोदी ने अपने संबोधन में रोप-वे परियोजना के पूरे होने में देरी को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना 1983 में पेश की गई थी। कई वजहों, मुख्य रूप से पर्यावरण चिंताओं के चलते इसमें देरी होती गई। 2011 में संप्रग सरकार ने इसे सशर्त मंजूरी दी। प्रधानमंत्री ने कहा, अगर उन्होंने गिरनार रोपवे की राह में रोड़े न अटकाए होते तो इसका काम वर्षों तक न रुका रहता। लोगों और पर्यटकों को काफी समय पहले ही इसका लाभ मिलना शुरू हो जाता। उन्होंने कहा, एक देशवासी के तौर पर हमें ऐसी (गिरनार रोपवे) जन महत्व की परियोजनाएं लंबे समय तक रुके रहने से देश को लोगों को होने वाले नुकसान के बारे में सोचना चाहिये।

मोदी ने कहा कि नयी परियोजना से तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को फायदा होगा। साथ ही स्थानीय लोगों के लिये नयी नौकरियों का भी सृजन होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, और अधिक लोग तभी (एक स्थान की) यात्रा करेंगे जब पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। पर्यटक ठहरने और यात्रा करने में आसानी चाहते हैं।

उन्होंने कहा, सरदार साहेब (वल्लभ भाई पटेल) को समर्पित स्टेच्यू ऑफ यूनिटी को देखिये। दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा बड़ी संख्या में पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बन गई है। 45 लाख से अधिक लोग यहां आ चुके हैं। इतने कम समय में यह वाकई बड़ी उपलब्धि है। इसे (हाल ही में) दोबारा खोल दिया गया है और (पर्यटकों की) संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का उद्घाटन अक्टूबर 2018 में किया गया था। किसान सूर्योदय योजना पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, किसानों को पानी बचा कर पर ड्रॉप, मोर क्रॉप यानी प्रति बूंद, अधिक फसल का मंत्र अपनाना चाहिये।'' उन्होंने कहा, ''अब जब किसानों को दिन में भी बिजली मिलेगी तो उन्हें अधिक पानी बचाने पर भी जोर देना चाहिये।

दिल्ली में फिलहाल विद्यालय नहीं खुल रहे हैं: अरविंद केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में विद्यालयों को फिलहाल खोले जाने की संभावना से शनिवार को इनकार किया। केजरीवाल ने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, '' फिलहाल विद्यालय नहीं खुल रहे हैं।'' सरकार ने पहले घोषणा की थी कि विद्यालय कोविड-19 महामारी के मद्देनजर 31 अक्टूबर तक बंद रहेंगे। देश में विश्वविद्यालय एवं विद्यालय 16 मार्च से बंद हैं जब केंद्र ने कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के उपाय के तहत देशभर में कक्षाओं को बंद करने की घोषणा की थी। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन 25 मार्च को लगाया गया था। लॉकडाउन में चरणबद्ध तरीके से ढील देने के बाद 'अनलॉक' के विभिन्न चरणों में कई पाबंदियों में ढील दी गयी , लेकिन शैक्षणिक संस्थान अब भी बंद हैं। हालांकि 'अनलॉक'दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य चरणबद्ध तरीके से विद्यालयों को खोलने का फैसला कर सकते हैं। पहले विद्यालयों को 21 सितंबर से स्वैच्छिक आधार पर नौवीं से बारहवीं कक्षाओं के विद्यार्थियों को बुलाने की अनुमति दी गयी थी लेकिन दिल्ली सरकार ने उसके विरूद्ध निर्णय लिया। इस साल सीबीएसई परीक्षा के शुल्क का भुगतान नहीं करने के आप सरकार के निर्णय की चर्चा करते हुए केजरीवाल ने इसके लिए महामारी के चलते कोषाभाव का हवाला दिया।

जंगलराज कायम करने वालों का नौकरी और विकास की बात करना मजाक: नीतीश कुमार

अलौली/तेघड़ा (बिहार)। (एजेंसी)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद सहित विपक्षी महागठबंधन के घोषणापत्र के वादों पर परोक्ष निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि 15 साल के शासन में बिहार में शिक्षा, इलाज, आवागमन का इंतजाम करने की बजाए जंगलराज कायम करने वालों का नौकरी और विकास की बात करना मजाक है। खगड़िया के अलौली और बेगुसराय के तेघड़ा में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने सवाल किया, '' हमारी सरकार से पहले जो सत्ता में थे, उन्होंने क्या कोई काम किया। समाज में टकराव और विवाद पैदा करके वोट लेते रहे और काम करने का मौका मिलने पर सिर्फ अपने और अपने परिवार के लिये सोचा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राजद के शासनकाल में न पढ़ाई की व्यवस्था थी, न इलाज का इंतजाम था और न लोगों के आने जाने की सुविधा थी और शाम के बाद लोगों की घर से निकलने की हिम्मत नहीं होती थी। उन्होंने कहा कि पहले कितनी अपराध की घटनाएं होती थी, कितनी नरसंहार, हत्या की घटनाएं होती थी जिसके कारण डाक्टरों एवं व्यापारियों को भागना पड़ा था। उन्होंने कहा, '' जंगलराज था पहले। हमने अपराध की घटनाओं को नियंत्रित करने का काम किया है। हमने जंगलराज से बाहर निकालकर कानून का राज कायम किया।''

नीतीश कुमार ने लोगों से कहा, '' जो पूरी स्थिति को देखे हुए हैं, वे नई पीढ़ी को पहले की स्थिति और आज की स्थिति के बारे में बताएं, उस दौर की तस्वीर खाएं।'' राजद नेतृत्व पर प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, '' लोगों को मौका मिला तो क्या किया ? अपने पिता से पूछो, अपनी माता से पूछो कि क्या कोई स्कूल बना ? क्या कोई कॉलेज बना?'' उन्होंने लालू प्रसाद का नाम लिये बिना कहा कि जब राज करने का मौका मिला तब राज करके ग्रहण करते रहे और जेल चले गए तब पत्नी को गद्दी पर बैठा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब कोई गड़बड़ करने वाला नहीं बचेगा और उसे अंदर (जेल) जाना होगा। तेघड़ा में मुख्यमंत्री की रैली के दौरान कुछ लोगों ने शोर शराबा किया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जिनके लिये ऐसा कर रहे हो, उसके बारे में सभी को पता है। विपक्षी राजद को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम चाहते हैं कि सभी को पढ़ाया जाए लेकिन कुछ लोग बिना पढ़े ही काम करना चाहते हैं।''

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने पर स्कूलों की स्थापना की गई, महिलाओं को पंचायतों एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि हमने न्याय के साथ विकास सुनिश्चित किया और अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े, अतिपिछड़े, महादलितों सभी को आगे बढ़ाने का काम किया जिन्हें पहले कोई पूछता नहीं था। उन्होंने कहा कि हमें आगे काम करने का मौका मिला तो हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचा देंगे। नई टेक्नोलॉजी को गांव-गांव तक पहुंचाएंगे, सभी युवक-युवतियों को इसका प्रशिक्षण दिलवाएंगे। अपनी सरकार के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि उनके (राजद की पूर्ववर्ती सरकार) अंतिम वर्ष का उनका बजट 24 हजार करोड़ रुपये से भी कम था लेकिन जब हमें मौका मिला तो यही बजट आज 2 लाख 11 हजार करोड़ से ज्यादा का हो गया है। उन्होंने कहा कि अब हर घर तक बिजली पहुंचा दी गई है और साल 2005 में बिजली की खपत मात्र 500 मेगावाट थी, वह आज 6000 मेगावाट हो गई है।

सीएम अमरिंदर ने शहरी पर्यावरण सुधार योजना के दूसरे चरण की शुरुआत की

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शनिवार को 11 हजार करोड़ रुपये की शहरी पर्यावरण सुधार योजना (यूईआईपी) के दूसरे चरण की शुरुआत की। सिंह ने भरोसा जताया कि यूईआईपी से राज्य के शहरों की आधारभूत संरचना और लोगों के जीवनस्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा। इस योजना के तहत पहले चरण में तीन हजार करोड़ रुपये के कार्य पूरे किए गए हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि कार्यक्रम से आधुनिक शहरी अवसंरचना का विकास और पंजाब की शहरी आबादी तकप्रभावी तरीके से सेवाओं को पहुंचाने की प्रणाली बनेगी जिससे शहरीकरण प्रभावशाली होगा। करीब 940 स्थानों पर 45,000 लोगों से डिजिटल माध्यम से जुड़े मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि राज्य सरकार कोविड-19 महामारी और वित्तीय संकट के बावजूद इन योजनाओं के लिए कोष प्रबंधन में सफल रही। यूईआईपी के तहत अहम योजनाओं को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चार बड़े शहरों अमृतसर, जालंधर, लुधियाना और पटियाला में नहर आधारित जलापूर्ति की जाएगी और इसके साथ ही शनिवार को जालंधर शहर के लिए काम की आधारशिला रखी जबकि रविवार को पटियाला के लिए आधार शिला रखेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार लुधियाना के 'बूढा नाला' की सफाई के लिए धन आवंटित करने के करीब है और एक महीने के भीतर काम शुरू होने की उम्मीद है। सिंह ने रेखांकित किया कि पंजाब की 40 प्रतिशत आबादी शहरों में रहती है जिन्हें आमतौर पर विकास का इंजन माना जाता है।

महबूबा मुफ्ती के घर गुपकार बैठक, फारूक बोले- पीएजीडी भाजपा विरोधी मंच है, देश विरोधी नहीं

श्रीनगर। (एजेंसी)।

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि हाल ही में गठित ''पीपुल्स एलायंस फॉर गुपकर डिक्लेयरेशन''(पीएजीडी) एक भाजपा विरोधी मंच है न कि देश विरोधी। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''मैं आपको बताना चाहता हूं कि भाजपा द्वारा यह दुष्प्रचार किया जा रहा है कि पीएजीडी एक देश विरोधी मंच है। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि यह सच नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह भाजपा विरोधी है लेकिन यह देश विरोधी नहीं है।'' उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर का पूर्ववर्ती विशेष दर्जा बहाल कराने के वास्ते संघर्ष करने के लिए पीएजीडी को बनाया गया है। इसके अध्यक्ष श्रीनगर से लोकसभा सांसद अब्दुल्ला चुने गये हैं। उन्हें पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के आवास पर हुई पीएजीडी की पहली बैठक के बाद अध्यक्ष चुना गया। अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने जैसे कृत्यों के माध्यम से संघीय ढांचे को तोडने की कोशिश की है।

नेकां अध्यक्ष ने कहा, ''उन्होंने देश के संविधान को नष्ट करने की कोशिश की है, उन्होंने राष्ट्र को विभाजित करने की कोशिश की है, हमने देखा कि संघीय ढांचे को तोड़ने के लिए उन्होंने पिछले साल पांच अगस्त को क्या किया था।'' उन्होंने कहा, ''मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह (पीएजीडी) एक देश विरोधी जमात नहीं है। हमारा लक्ष्य है कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लोगों के अधिकार सुनिश्चित हों। यही हमारी लड़ाई है, हमारी लड़ाई इससे ज्यादा के लिए नहीं है।'' अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा जम्मू और देश के अन्य हिस्सों में पीएजीडी में शामिल घटकों के खिलाफ दुष्प्रचार कर रही है। उन्होंने कहा, ''वे धर्म के नाम पर हमें (जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लोगों को)बांटने की कोशिश कर रहे हैं। यह प्रयास सफल नहीं होगा। यह धार्मिक लड़ाई नहीं है, यह हमारी पहचान की लड़ाई है और उस पहचान के लिए हम एक साथ खड़े हैं।

जीडीपी में गिरावट और नौकरियां जाने के मुद्दे को लेकर राहुल ने पीएम पर साधा निशाना

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जीडीपी में गिरावट और लोगों की कथित तौर पर नौकरियां जाने के मुद्दे को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और दावा किया कि 'प्रधानमंत्री देश को सच्चाई से दूर भागना सिखा रहे हैं, जिसका नतीजा है कि लाखों लोगों की आजीविका चली गई।'

उन्होंने एक खबर शेयर करते हुए ट्वीट किया, ''हमारे प्रधानमंत्री भारत को यह सिखा रहे हैं कि सच्चाई से कैसे दूर भागा जा सकता है। इसका नतीजा है कि लाखों लोगों की गरिमा और आजीविका चली गई।'' कांग्रेस नेता ने जो खबर साझा की है, उसके मुताबिक भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने संकेत दिया है कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नुकसान की भरपाई होने में वर्षों का समय लग सकता है।

सीएम येदियुरप्पा ने भारी बारिश से प्रभावित परिवारों को 25,000 रुपये मुआवजा देने की घोषणा की

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने भारी बारिश की वजह से शहर के कई हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने की वजह सेप्रभावित हुए परिवारों को 25,000--25,000 रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने इस तरह की स्थिति से निपटने के लिए एक स्थायी समाधान निकालने का आश्वासन भी दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि शहर के नालों पर से अतिक्रमण को तोड़ दिया जाएगा। येदियुरप्पा ने कहा, '' बारिश और बाढ़ की वजह से घर में पानी घुसने से जिन लोगों को अनाज, कपड़ों और अन्य चीजों का नुकसान हुआ है, उन सभी परिवारों को हमने चेक के जरिए 25,000-25,000 रुपये देने का निर्णय लिया है। आज या आने वाले दिनों में बारिश से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।'' होसाकेरेहल्ली और निकट के इलाकों में प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज शाम से ही प्रत्येक प्रभावित घर में चेक बांटा जाएगा। उन्होंने कहा, ''मैंने बृहद् बेंगलुरु महानगरपालिका के अधिकारियों से कहा है कि वह पूरी ईमानदारी से काम करें ताकि एक रुपये का भी गलत इस्तेमाल न हो। मेरे अनुसार, करीब 650-700 घर प्रभावित हुए हैं।'' इससे पहले मुख्यमंत्री ने शहर में और दो दिन भारी बारिश के मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मद्देनजर शनिवार को महानगरपालिका को अलर्ट रहने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री का यह निर्देश ऐसे समय में आया जब एक दिन पहले ही शहर के कई हिस्से खास तौर पर दक्षिणी बेंगलुरु में भारी बारिश से परेशानियां पैदा हो गईं और नालों में पानी भर गया। कई सड़कों पर पानी जमा हो गया वहीं कई घरों में भी पानी घुस आया था।

महागठबंधन विकास विरोधी, राजद के स्वभाव में ही अराजकता: जेपी नड्डा

नालंदा/ लखीसराय। (एजेंसी)।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को कांग्रेस-राजद-भाकपा माले के गठबंधन को विकास विरोधी करार दिया और कहा कि महागठबंधन का नेतृत्व करने वाले राष्ट्रीय जनता दल के स्वभाव में ही अराजकता है और इन्होंने पिछली गलतियों के लिये जनता से अभी तक माफी नहीं मांगी है। नालंदा और लखीसराय में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा ''राष्ट्रीय जनता दल के स्वभाव में ही अराजकता है, एक बार भी इन्होंने बिहार की जनता से अपनी की गई गलतियों के लिए मांफी नहीं मांगी है। इसका मतलब ये है कि अभी भी इरादे वही हैं।'' राजद पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, '' ये रोजगार की बात करते हैं। इन्होंने अपहरण का उद्योग चलाया। जिन्होंने अपहरण का उद्योग चलाया, वे क्या रोजगार देंगे। '' उन्होंने कहा, '' इनमें कोई सेवा भाव नहीं है, कोई बदलाव की चाहत नहीं है। इनका इरादा वही है।'' गौरतलब है कि राजद ने अपने घोषणापत्र में 10 लाख नौकरियां देने का वादा किया है। राजद नेता तेजस्वी यादव अपनी चुनावी सभाओं में रोजगार और विकास की बातें करते हैं। नड्डा ने कहा, ''हमारी सरकार आने के बाद प्रदेश लालटेन युग से निकलकर एलईडी युग में जा रहा है। बाहुबल से निकलकर विकासबल की तरफ जा रहा है। '' भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस, राजद द्वारा भाकपा माले के गठबंधन बनाने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये लोग 'टुकड़े-टुकड़े' की बातें करते हैं। नड्डा ने कहा, '' राजद अराजकता पर विश्वास करता ही है, अब उसने भाकपा-माले से दोस्ती कर ली है।''

राजद पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा, ''जो (माले) देश को खंडित करना चाहते हैं, जो देश के टुकड़े-टुकड़े करने की बात करते हैं, उनके साथ सीटों का बंटवारा कर लिया। माले ने राजद को हाइजेक कर लिया। '' राजद की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि शाम के बाद लोग घर से नहीं निकलते थे। उन्होंने इस संदर्भ में बाहुबली शहाबुद्दीन का भी जिक्र किया। नड्डा ने कहा कि राम मंदिर के मामले में एक पक्ष के वकील कपिल सिब्बल ने उच्चतम न्यायालय में इस मामले को लटकाने का प्रयास किया और शीर्ष अदालत ने हर दिन सुनवाई (डे-टू-डे) करके फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने सर्व सम्मति से राम मंदिर के पक्ष फैसला दिया। भाजपा अध्यक्ष जब राम मंदिर का जिक्र कर रहे थे तब लोगों ने कई बार 'जयश्रीराम' के नारे लगाये। नड्डा ने राहुल गांधी सहित कांग्रेस नेताओं पर पाकिस्तान की बोलने का आरोप लगाया। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान संयुक्त राष्ट्र में अपनी बात रखने के लिये राहुल गांधी के बयानों का जिक्र करते है। उन्होंने कांग्रेस नेता शशि थरूर और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम के बयानों की भी निंदा की। नड्डा ने कहा की जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास 303 सांसद हुए तो धारा 370 को निरस्त किया। कृषि संबंधी तीन कानूनों के संदर्भ में नड्डा ने कहा कि कृषि सुधार कानूनों के माध्यम से प्रधानमंत्री ने किसानों को उनकी उपज मंडी के अलावा कहीं भी बेचने की सुविधा दी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)